सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 122 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ सरकार के बीच बेहतर वेतन पैकेज के लिए हुआ एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के नियमित कर्मचारियों को आकर्षक एवं व्यापक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ शासन के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते के तहत बैंक में वेतन खाता संचालित करने वाले राज्य सरकार के सभी नियमित कर्मचारियों को 'गवर्नमेंट प्राइड सैलरी सेविंग स्कीम' के अंतर्गत उन्नत निःशुल्क सुविधाएं एवं बीमा कवर प्रदान किए जाएंगे। समझौते के अनुसार बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा खाताधारक कर्मचारियों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा एक करोड़ 25

लाख रूपए तक, हवाई दुर्घटना बीमा एक करोड़ रुपए तक, स्थायी पूर्ण विकलांगता कवर एक करोड़ 25 लाख रूपए तक तथा टर्म इंश्योरेंस 10 लाख रुपए प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही गोल्डन आवर के अंतर्गत 1 लाख रुपए तक कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध होगी। कर्मचारियों को बालिका विवाह लाभ 10 लाख रुपए तक एवं बच्चों की उच्च शिक्षा हेतु 10 लाख रूपए तक का लाभ भी प्रदान किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त खाताधारकों को अन्य आकर्षक बैंकिंग लाभ उपलब्ध कराए जाएंगे तथा स्वास्थ्य बीमा पर टॉप-अप जैसी वैकल्पिक सुविधाएं रियायती दरों पर प्रदान की जाएंगी। यह समझौता ज्ञापन 10 फरवरी 2026 को शीतल शाश्वत वर्मा, विशेष सचिव, वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन तथा श्री वी. वेंकटेश, अंचल प्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, रायपुर अंचल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह पहल राज्य सरकार के नियमित कर्मचारियों को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक एवं लाभप्रद बैंकिंग सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

खास-खबर

जिला रोजगार केन्द्र गरियाबंद में 20 फरवरी को प्लेसमेंट कैम्प

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग तथा संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण, रायपुर के निर्देशानुसार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, गरियाबंद द्वारा 20 फरवरी 2026 (शुक्रवार) को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक कार्यालय परिसर में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से निजी प्रतिष्ठान फायर, सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, भिलाई दुर्ग (छ.ग.) एवं प्रेरक स्वयं सेवी संस्था, गरियाबंद (छ.ग.) में कुल 191 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। जिन पदों पर भर्ती की जानी है, उनमें फायर मेन, सिक्योरिटी गार्ड, फूड पैकेजिंग, ड्राइवर, वार्ड बॉय, वार्ड गर्ल, केयर टेकर, विशेष शिक्षक, प्रबंधक, स्पीच थेरेपिस्ट, व्यावसायिक प्रशिक्षक तथा स्वच्छता कर्मी शामिल हैं। इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं डिप्लोमा, एमएसडब्ल्यू, पीजीडीसीए, बीएड उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदक दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा समस्त शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता संबंधी अंकसूची एवं प्रमाण पत्रों की मूल प्रति एवं छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर प्लेसमेंट कैम्प का लाभ उठा सकते हैं।

दिन में बढ़ी गर्मी, जगदलपुर में पारा 32 डिग्री पार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले तीन दिनों में राज्य के औसतन तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अगले सात दिन यही टेंड जारी रहेगा। इसके अलावा मौसम में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है। ठंड का असर भी कम होता दिखाई पड़ रहा है।पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सबसे अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रहा। राज्यभर में बारिश के आंकड़े शून्य रहे। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर, अंबिकापुर और पेंड्रा में दिन का तापमान सामान्य से करीब 2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जिससे दिन में गर्मी बढ़ गई है। फिलहाल कोई सिनॉप्टिक सिस्टम एक्टिव नहीं है। हालांकि, आने वाले कुछ दिनों तक प्रदेश के कुछ इलाकों में सुबह के समय हल्की धुंध छाए रहने की संभावना है।

अग्निवीर के 25,000 पदों के लिए नोटिफिकेशन जारी

नईदिल्ली। भारतीय सेना ने 12 फरवरी 2026 को अग्निवीर भर्ती 2026 की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इस भर्ती के तहत देशभर के अविवाहित पुरुष और महिला उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। अभियान के माध्यम से अग्निवीर जनरल ड्यूटी, तकनीकी, क्लर्क स्टोर कीपर तकनीकी और ट्रेड्समैन सहित 25,000 से अधिक पद भरे जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवार 13 फरवरी 2026 से आधिकारिक पोर्टल के जरिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और निर्धारित तिथि के भीतर अपना फॉर्म जमा कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 का उद्घाटन

अब 'सेवा तीर्थ' से चलेगा शासन, नामकरण का भी अनावरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'सेवा तीर्थ' नाम से बने नए प्रधानमंत्री कार्यालय भवन के साथ कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री दोपहर करीब डेढ़ बजे 'सेवा तीर्थ' नामकरण का अनावरण करेंगे, इसके बाद नए परिसर और कर्तव्य भवनों का औपचारिक उद्घाटन किया।

नए कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 में वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा, संस्कृति, विधि एवं न्याय, सूचना एवं प्रसारण, कृषि एवं किसान कल्याण, रसायन एवं उर्वरक, कॉर्पोरेट कार्य, जनजातीय कार्य सहित कई अहम मंत्रालयों के कार्यालय स्थापित किए गए हैं। दशकों से सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में अलग-अलग और पुरानी इमारतों में फैले सरकारी दफ्तरों के कारण समन्वय की चुनौतियां, बढ़ती रखरखाव लागत और कार्य दक्षता से जुड़ी समस्याएं सामने आती रही थीं। नए समेकित परिसर से इन

चुनौतियों को दूर करने का लक्ष्य रखा गया है।

सेंट्रल विस्टा का हिस्सा

सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन, सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना का हिस्सा हैं। इस परियोजना में नया संसद भवन, कॉमन सेंट्रल सचिवालय, कर्तव्य पथ का पुनर्विकास, पीएम आवास, उपराष्ट्रपति एन्क्लेव और अन्य प्रशासनिक ढांचे शामिल हैं। ऐसे में 95 साल बाद उसी ऐतिहासिक तारीख पर नई प्रशासनिक इमारतों का उद्घाटन केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि भारत के शासन ढांचे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, जो औपनिवेशिक कालीन भवनों से आधुनिक प्रशासनिक परिसरों की ओर संक्रमण को दर्शाता है।

डिजिटल, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल ढांचा

दोनों भवन परिसरों में डिजिटल रूप से एकीकृत कार्यालय, केंद्रीकृत स्वागत प्रणाली और सुव्यवस्थित सार्वजनिक संपर्क क्षेत्र बनाए गए हैं, जो सहयोग, दक्षता और नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देंगे। 4-स्टार जीआरआईएचए मानकों के अनुरूप डिजाइन किए गए इन परिसरों में नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और उच्च-प्रदर्शन भवन संरचना जैसी पर्यावरण अनुकूल सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही स्मार्ट एक्सेस कंट्रोल, निगरानी नेटवर्क और उन्नत आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली जैसी आधुनिक सुरक्षा व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

दुर्ग सहित प्रदेश के 4 सेंट्रल जेलों को मिला आईएसओ गुणवत्ता

- छत्तीसगढ़ के जेलों में व्यवस्था सुधार का मिला इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की जेल व्यवस्थाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। उप मुख्यमंत्री एवं जेल विभाग के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा के निर्देशन में राज्य की जेलों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। इन्हीं प्रयासों का ही यह परिणाम है कि छत्तीसगढ़ की सेंट्रल जेल रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं अम्बिकापुर को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानक आईएसओ 9000:2015 का प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा जेलों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्यप्रणाली स्थापित करने के उद्देश्य से आईएसओ

सर्टिफिकेशन कराने की पहल की थी। यह प्रक्रिया पूर्ण कर राज्य की चार प्रमुख केंद्रीय जेलों को प्रमाणन प्राप्त हो गया है। इस प्रमाणन से जेल प्रशासन में कार्य प्रक्रियाओं में एकरूपता एवं पारदर्शिता, बंदी कल्याण और मानवाधिकार संरक्षण को बढ़ावा, जोखिम प्रबंधन और जवाबदेही में सुधार, जनविश्वास एवं संस्थागत विश्वास में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को मजबूती मिलेगी। यह पहल राज्य की सुधारात्मक न्याय प्रणाली को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकार का उद्देश्य जेलों को केवल निरुद्ध स्थान के रूप में नहीं, बल्कि सुधार एवं पुनर्वास केंद्र के रूप में विकसित करना है।

फील ग्रुप और तिरुपति मिनरल्स के कार्यालय में आईटी की छापेमारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। आयकर विभाग ने गुरुवार को कोल व्यापारी और फील ग्रुप के मालिक प्रवीण झा के कई ठिकानों पर एक साथ बड़ी दबिश दी। आयकर विभाग की एक बड़ी टीम शहर पहुंची, जिसने प्रवीण झा के आवास, कार्यालयों और फैक्ट्रियों में सघन जांच शुरू की। एसआईआर सर्वे टीम के स्टीकर लगी गाड़ियों से पहुंची आयकर अधिकारियों ने करीब घंटे भर से अधिक समय से दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगालने का काम जारी रखा। इस कार्रवाई को लेकर विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। आयकर विभाग की टीम ने सुबह से ही शहर के विभिन्न इलाकों में स्थित फील ग्रुप के प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। प्रवीण झा, जो इस ग्रुप के प्रमुख हैं, के घर और दफ्तरों पर एक साथ कई टीमों ने पहुंचकर जांच शुरू की। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और कर चोरी के आरोपों के चलते की गई है।

बांग्लादेश में बीएनपी की जीतः पीएम मोदी ने तारिक रहमान को दी बधाई

नईदिल्ली। बांग्लादेश में गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज की है। बीएनपी ने 299 सीटों में से 209 हासिल कर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया। समाचार लिखे जाने तक जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को तक 70 सीटें मिली हैं। जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने ढाका-15 सीट से जीत दर्ज की है। देश में करीब 20 साल बाद बीएनपी की सरकार बनी है। 2008 से 2024 तक वहां शेख हसीना की आवामी लीग सत्ता में थी।

इस जीत के साथ पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी

अध्यक्ष तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। तारिक ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की है। वे पिछले साल दिसंबर में 17 साल बाद देश लौटे थे। बांग्लादेश में 35 साल बाद कोई पुरुष प्रधानमंत्री बनेगा। 1988 में काजी जफर अहमद प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद 1991 से 2024 तक देश की राजनीति में पूर्व पीएम शेख हसीना और खालिदा जिया का दबदबा रहा।

बांग्लादेश आम चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शानदार बहुमत हासिल किया है। ऐसे में अब भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी के प्रमुख तारिक रहमान को बधाई दी।

पीएम मोदी ने कहा कि यह जीत बांग्लादेश के लोगों के उनके नेतृत्व में भरोसे को दिखाती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के समर्थन में हमेशा खड़ा रहेगा।

इसके साथ पीएम मोदी ने भारत और बांग्लादेश के रिश्ते को लेकर भी अपनी बड़ा संकेत दिया। पीएम मोदी ने कहा कि वह तारिक रहमान के साथ मिलकर भारत-बांग्लादेश के बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने और दोनों देशों के साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए काम करने के लिए उत्सुक हैं।

रायपुर का 'लिविंग रूम कैफे' सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम के जोन-10 ने संपत्तिकर बकाया नहीं चुकाने पर 'लिविंग रूम कैफे' को सील कर दिया। इसके साथ ही 4 बड़े बकाएदारों से जुड़े 6 व्यावसायिक परिसरों पर ताला जड़ दिया है। यह कार्रवाई निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर की गई है। अपर आयुक्त राजस्व कृष्णा खटीक, उपायुक्त जागृति साहू और जोन-10 कमिश्नर विवेकानंद दुबे के मार्गदर्शन में राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर सील करने की प्रक्रिया पूरी की।

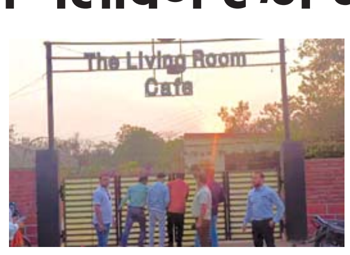

राजस्व विभाग के मुताबिक, संबंधित बकायेदारों को डिमांड बिल और अंतिम नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन संपत्तिकर जमा नहीं किया गया। इसके बाद सख्ती दिखाते हुए सीलिंग की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड-50, बाबू जगजीवन राम वार्ड-53 और लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित वार्ड-56 में की गई। सबसे बड़ा बकाया वार्ड-50 में ज्योति केशवानी/केवलराम केशवानी पर करीब 79.23 लाख रुपए का है। इसके अलावा वार्ड-53 में किशोर कुमार प्रिथवानी पर अलग-अलग मद में लाखों रुपए बकाया बताए गए हैं। वार्ड-56 में भी कर नहीं चुकाने पर एक प्रतिष्ठान को सील किया गया।

नेशनल हाईवे पर हुआ हादसा, दो की मौत और पांच घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के मोरगा चौकी अंतर्गत केंदई नेशनल हाइवे झरना मोड़ के पास गुरुवार की देर रात 12 बजे लगभग सड़क हादसा हुआ है। दो कारों में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दो लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं पांच लोग घायल हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, हादसे के बाद दोनों ही वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं कार का एयर बैग भी बाहर आ गया, जिसमें सामने बैठे लोगों की जान बच गई। हादसे के बाद लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई और

इसकी सूचना तत्काल मोरगा चौकी पुलिस और 112 को दी गई। पुलिस ने तत्काल सभी लोगों को एंबुलेंस के माध्यम से पोड़ी उपरोड़ स्थित स्वास्थ्य केंद्र के लिए रवाना किया गया। जहां दो की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें रेफर कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि मारुति कार में चार लोग सवार थे, जिसमें दो की मौत हुई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं दूसरी कार में तीन लोग सवार थे, तीनों घायल हैं। दोनों ही कार पर सवार लोग कोरबी क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। मारुति कार में सवार लोग शर्मा कौरबी गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। मोरगा चौकी प्रभारी मंगतू राम ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही देर रात पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। मामले की जांच की जा रही है।

संसद की कार्यवाही 9 मार्च तक स्थगित, भाजपा बोली- राहुल सत्ता पाने देश का बंटवारा चाहते थे

- संसद सत्र शुरू होते ही हंगामा, हरदीप पुरी के इस्तीफे की उठी मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। बजट सत्र के 13वें दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन नहीं चल पाई। लोकसभा की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल पाई। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही दो घंटे तक चल पाई। राज्यसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत-अमेरिका डील को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। अब दोनों सदनों की कार्यवाही 9 मार्च से शुरू होगी।

शुक्रवार को सुबह 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो'

के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके 5 मिनट बाद ही सदन स्थगित कर दी गई। 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बार हंगामे के बीच एजुकेशन और कानून मंत्रालय से जुड़े कुछ बिल पेश किए। इसके बाद चेयर पर मौजूद संध्या राय ने लोकसभा 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी।

इधर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर आरोप लगाए कि वे सत्ता पाने के लिए देश के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे थे। इससे पहले निशिकांत ने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की है।

भाजपा सांसदों का संसद का बजट सत्र दो चरण में हो रहा है। पहला- 28 जनवरी से 13 फरवरी तक है। दूसरा चरण 23 दिन के ब्रेक के बाद 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा।

संपादकीय

कर्ज के मर्ज

पंजाब-हरियाणा के किसान ऋण दुश्चक्र में

गांधी जी अक्सर कहा करते थे कि भारत की आत्मा गांव और खेतीकिसानी में बसती है। लेकिन आजादी के बाद भी कृषि क्षेत्र की विसंगतियां व विरोधाभास अंतिम रूप से दूर नहीं हुए। भले ही किसान दमनकारी साहूकारों के चंगुल से किसी हद तक मुक्त हो गए हों, लेकिन धीरे-धीरे सरकारी, सहकारी और अन्य वित्तीय संस्थानों के कर्ज तले दबते चले गए। फिलहाल सकारात्मक पक्ष यह है कि केंद्र सरकार रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, डिजिटल तकनीकों से खेती के तौर-तरीकों में बदलाव और ऋण विस्तार को आसान बनाने के लिये प्रयत्नशील है। लेकिन नकारात्मक पक्ष यह है कि किसान कर्ज के दुश्चक्र में फंसता जा रहा है। यह कड़वी सच्चाई हाल रिपोर्ट से प्रकाश में आए आंकड़ों से उजागर हुई है। पिछले दिनों प्रकाशित रिपोर्ट में यह चिंताजनक तथ्य सामने आया है कि अनाज के भंडार के रूप से प्रसिद्ध राज्य पंजाब व हरियाणा के किसान देश के सबसे ज्यादा ऋणग्रस्त राज्यों में शुमार हैं। हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार पंजाब व हरियाणा में प्रति कृषि परिवार पर 2.03 लाख और 1.83 लाख रुपये का ऋण बकाया है। जो देश में सबसे ज्यादा ऋष्ण लेने वाले राज्यों में तीसरा व चौथा स्थान बनता है। यह स्थिति तब है जब ऋण का यह राष्ट्रीय औसत 74, 121 रुपये है। केवल आंध्र प्रदेश और केरल में ही इससे अधिक ऋण का बोझ दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी ओर नागालैंड, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कृषि ऋण नगण्य ही है। यह स्थिति भारतीय कृषि में गहरे संरचनात्मक असुंतलन को ही उजागर करती है। निस्संदेह, पंजाब और हरियाणा में किसान परिवारों पर भारी कर्ज कोई महज संयोग नहीं है। निर्विवाद रूप से पंजाब व हरियाणा ने देश में हरित क्रांति का नेतृत्व किया है। इन राज्यों ने समय की जरूरत के हिसाब से बहुउपयोगी कृषि को अपनाया है और भारत की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ बने हैं। मगर विषम परिस्थितियों के चलते इसका अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाया।

> “ यह कड़वी सच्चाई हाल रिपोर्ट से प्रकाश में आए आंकड़ों से उजागर हुई है। पिछले दिनों प्रकाशित रिपोर्ट में यह चिंताजनक तथ्य सामने आया है कि अनाज के भंडार के रूप से प्रसिद्ध राज्य पंजाब व हरियाणा के किसान देश के सबसे ज्यादा ऋणग्रस्त राज्यों में शुमार हैं। हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार पंजाब व हरियाणा में प्रति कृषि परिवार पर 2.03 लाख और 1.83 लाख रुपये का ऋण बकाया है। जो देश में सबसे ज्यादा ऋण लेने वाले राज्यों में तीसरा व चौथा स्थान बनता है। यह स्थिति तब है जब ऋण का यह राष्ट्रीय औसत 74, 121 रुपये है।

लेकिन यह एक हकीकत है कि हाल के दशकों में खेती का यह मॉडल काफी दबाव में आ गया है। खेती-किसानी की लगातार बढ़ती लागत, स्थिर कृषि आय, छोटी और खंडित भू-जोत, अनियमित मानसून, खरीद प्रक्रिया में देरी और बढ़ते घरेलू खर्च ने ऋण पर निर्भरता का दुश्चक्र स्थापित कर दिया है। इसमें दो राय नहीं कि देश में संस्थागत ऋण की आसान उपलब्धता ने इन राज्यों में कृषि उत्पादकता को बढ़ावा दिया है। लेकिन यह भी एक कड़वी हकीकत है कि ऋण की सहज उपलब्धता ने किसानों के जीवनयापन के साधन के रूप में उधार लेने की प्रक्रिया को सामान्य स्थिति बना दिया है। किसान खेती-किसानी की जरूरतों से इतर भी बड़े पैमाने पर ऋण लेने लगे। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार दावा करती रही है कि वह किसानों के हितों को हमेशा ही प्राथमिकता देती रही है। किसानों के जीवन में बदलाव के लिये 84.8 करोड़ किसानों के लिये डिजिटल आईडी, भौगोलिक संदर्भ पर आधारित फसल सर्वेक्षण और सुव्यवस्थित प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण से दक्षता और पारदर्शिता का वायदा किया जा रहा है। भारत के केंद्रीय बैंक आरबीआई द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना में प्रस्तावित सुधार-फसल चक्र के साथ ऋण की अवधि को संरेखित करना- इस बात का संकेत है कि ऋण को बदलती कृषि परिस्थितियों के अनुरूप विकसित किया जाना चाहिए। प्रौद्योगिकी और बेहतर ढंग से डिजाइन किए गए ऋण स्वागत योग्य कदम है। लेकिन ये प्रावधान अकेले ही गहरी जड़ें जमा चुके ऋण संकट की समस्या को दूर नहीं कर सकते हैं। यह कटु सत्य है कि यदि आय लागत के अनुरूप नहीं बढ़ती, यदि बदलते हालत में फसल विविधीकरण के प्रयास सिरे नहीं चढ़ते तथा देश में यदि जलवायु परिवर्तन का चक्र तेज होता है, तो ऋणों का दबाव बना रहेगा। अब चाहे ऋण कितनी भी कुशलता से संचालित किए जाएं। बहरहाल, ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे देश के अन्नदाता को ऋण संकट के गंभीर जाल से बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करें।

विकसित भारत के विकास इंजन के रूप में कपड़ा उद्योग

गिरिराज सिंह

विकसित भारत बजट 2026-27 वैश्विक अनिश्चितता के दौर में आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और स्पष्ट सुधारोन्मुख दृष्टिकोण की ओर इंगित करता है। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है तथा निकट भविष्य में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है। 4.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, 7.2 प्रतिशत की अनुमानित जीडीपी वृद्धि दर, 750 बिलियन डॉलर से अधिक का एफडीआई प्रवाह और 2014 में 1.9 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2026 में 12.21 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच चुके पूंजीगत व्यय के साथ यह बजट अवसंरचना-आधारित विकास को सुदृढ़ रूप से स्थापित करता है। यह व्यापक आर्थिक स्थिरता और भारत की विकास यात्रा के प्रति निरंतर वैश्विक विश्वास को रेखांकित करता है। मुख्य आंकड़ों से परे, यह बजट एक स्पष्ट रणनीतिक दिशा प्रस्तुत करता है, जो समावेशी विकास और श्रम-प्रधान विनिर्माण के माध्यम से व्यापक रोजगार सृजन पर केंद्रित है, जिसमें वस्त्र क्षेत्र इसका मूल केंद्र है।

माननीय प्रधानमंत्री के रणनीतिक नेतृत्व में, बीता वर्ष वस्त्र क्षेत्र के लिए एक निर्णायक मोड़ रहा है। 18 एफ्टीए के माध्यम से, भारत को अब 800 बिलियन डॉलर के वैश्विक आयात बाज़ार में से लगभग 466 बिलियन डॉलर मूल्य के कपड़े बाज़ारों तक विशेष पहुँच प्राप्त है, जिसे 110 बिलियन डॉलर के अमेरिकी बाज़ार तक नए सिरे से पहुँच मिलने से और विस्तार मिला है। हाल ही में घोषित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से निर्यात के पिछले वर्ष की तुलना में काफी बढ़ने की उम्मीद है।

बाज़ार तक पहुँच को सुदृढ़ करने के साथ-साथ, क्यूसीओ को हटाए जाने से अनुपालन संबंधी बोझ में कमी आई है, जबकि जीएसटी सुधारों ने लंबे समय से चली आ रही उलटी शुल्क संरचना की समस्या का समाधान किया है, जिससे यह क्षेत्र निर्णायक रूप से फाइबर-न्यूट्रल ढाँचे की ओर अग्रसर हुआ है। इन उपायों ने एक मजबूत आधार तैयार किया। बजट 2026 को महत्वपूर्ण बनाने वाली बात इसकी निरंतरता और व्यापकता है। कपास उत्पादकता मिशन जैसी पहलें और व्यापक आर्थिक सुधार अब पायलट चरण से आगे बढ़कर स्थायी मंचों में परिवर्तित किए जा रहे हैं, जो संरचनात्मक सुधारों के वास्तविक स्वरूप को दर्शाता है। दशकों तक वस्त्र क्षेत्र को मुख्यत: कल्याणकारी दृष्टिकोण से देखा जाता रहा। यह बजट वस्त्र क्षेत्र को अब विस्तार, प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास के लिए एक मुख्य औद्योगिक रणनीति के रूप में पुन: स्थापित करते हुए उस सोच में एक निर्णायक परिवर्तन का संकेत देता है। इस प्रकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता पूरी तरह स्पष्ट है। भारत का वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र देश के जीडीपी में लगभग 2.3 प्रतिशत का योगदान देता है, औद्योगिक उत्पादन का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा है और 5.2 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिससे यह अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ बन जाता है। हालाँकि वैश्विक वस्त्र एवं परिधान निर्यात में भारत की हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत है, जो इस क्षेत्र में विस्तार की अपार संभावनाओं को रेखांकित करती है। सरकार ने इस दिशा में एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी मध्यम अवधि का लक्ष्य निर्धारित किया है। 2030 तक वस्त्र क्षेत्र का आकार 350 बिलियन डॉलर तक पहुँचाना और निर्यात को 100 बिलियन डॉलर तक विस्तारित करना।

सुधार रणनीति का पहला स्तंभ मूल्य श्रृंखला का एकीकरण है, जिसका स्पष्ट उद्देश्य वर्ष 2030 तक वस्त्र क्षेत्र की अनुमानित 23 एमएमटी कच्चे माल की आवश्यकता को पूरा करना है—जिसमें प्राकृतिक तथा मानव-निर्मित, दोनों प्रकार के रेशे शामिल हैं। वर्तमान में रेशों की लागत में अस्थिरता कुल इनपुट अनिश्चितता का लगभग 25 से 30 प्रतिशत तक हिस्सा है, जो विशेष रूप से एमएसएमई इकाइयों के लिए मार्जिन, उत्पादन योजना और निर्यात मूल्य निर्धारण को सीधे प्रभावित करती है। बढ़ती जनसंख्या और कच्चे माल की बढ़ती मांग को देखते हुए, बजट 2026 राष्ट्रीय फाइबर योजना के माध्यम से इस चुनौती का समाधान करता है। ये पहलें कपास, मानव-निर्मित रेशे और उभरते हुए नए युग के रेशों के क्षेत्र में घरेलू उपलब्धता को सुदृढ़ करती हैं, जिससे रेशे से लेकर तैयार उत्पाद तक पूरी मूल्य श्रृंखला मजबूत होती है। कच्चे माल की आपूर्ति को स्थिर बनाकर, यह बजट मार्जिन की स्पष्टता को बेहतर बनाता है, योजना निर्माण में निश्चितता बढ़ाता है और निर्माताओं की निर्यात मूल्य निर्धारण क्षमता को सशक्त करता है, जिससे भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र का टिकाऊ रूप से विस्तार करना सुनिश्चित होता है । वस्त्र क्षेत्र की प्रगति को लंबे समय से बाधित करने वाला एक प्रमुख कारण पुराने उत्पादन क्लस्टरों पर इसकी निर्भरता रहा है, जो उत्पादकता और विस्तार को सीमित करता है। विनिर्माण संबंधी दक्षता बढ़ाने और लॉजिस्टिक्स लागतों को कम करने के लिए इकोसिस्टम का आधुनिकीकरण अनिवार्य है। बजट 2026 देशभर में 200 औद्योगिक क्लस्टरों के आधुनिकीकरण का प्रावधान करते हुए इस आवश्यकता का सीधे तौर पर समाधान करता है। साक्ष्य दर्शाते हैं कि क्लस्टर-आधारित विनिर्माण से श्रम उत्पादकता में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और प्रति इकाई लॉजिस्टिक्स लागत में 30 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। मेगा टेक्सटाइल पार्कों, साझा प्रसंस्करण सुविधाओं तथा प्लग-एंड-प्ले इकोसिस्टम में किए गए निवेश बड़े पैमाने पर स्थायी लागत को कम करते हैं, जिससे छोटे उत्पादकों को विस्थापित किए बिना विस्तार संभव होता है—जो एक श्रम-प्रधान क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र के रूपांतरण के केंद्र में रोजगार सृजन और कार्यबल की तैयारी हैं। वस्त्र उद्योग, पूंजी-प्रधान उद्योगों की तुलना में प्रति करोड़ रुपये के निवेश पर लगभग तीन गुना अधिक रोजगार सृजित करता है, और क्रमिक पहलों के माध्यम से पूरी मूल्य श्रृंखला में कौशल विकास और रोजगार-योग्यता को सुदृढ़ करने पर निरंतर ध्यान दिया गया है। इस क्लस्टर-आधारित विकास के समर्थन से, वस?त्र विस्तार एवं रोजगार योजना के तहत अगले पाँच वर्षों में 2 से 3 करोड़ अतिरिक्त आजीविकाओं को सहारा मिलने की संभावना है। इस गति को समर्थ 2.0 के माध्यम से और बल दिया गया है, जिसके अंतर्गत 2026 से 2031 के बीच 2,800 करोड़ रुपये का प्रावधान कर 15 लाख उद्योग-तैयार श्रमिकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।

एनआईएफटी, आईआईटी, आईआईएचटी, आईटीआई और एसवीपीआईएसटीएम के साथ साझेदारी को और गहरा कर, हम कौशल विकास को वास्तविक उत्पादन, प्रौद्योगिकी और डिज़ाइन आवश्यकताओं के अनुरूप बनाएंगे, जिसका उद्देश्य 2030 तक महत्वपूर्ण कौशल अंतर को 50 प्रतिशत तक कम करना है।

इस रोजग़ार और कौशल वृद्धि को सतत विकास में बदलने के लिए, वस्त्र मूल्य श्रृंखला में काम करने वाली सभी इकाइयों के पास विस्तार और प्रतिस्पर्धा करने की वित्तीय क्षमता होना आवश्यक है। वस्त्र इकोसिस्टम की रीढ़ एमएसएमई को पहचानना – बजट 2026 का मुख्य फोकस है, जो उनकी सबसे बड़ी रुकावट —तरलता को सीधे तौर पर दूर करता है। 10,000 करोड़ रुपये का एसएमई ग्रोथ फंड, मजबूत टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्तारित चालान वित्तपोषण, और सरकारी भुगतान चक्रों में तेजी कार्यशील पूंजी पर दबाव को कम करते हैं, क्योंकि अकेला विलंबित भुगतान ही प्रति वर्ष लगभग 15 प्रतिशत एमएसएमई पूंजी को अवरुद्ध कर देते हैं।

महत्वपूर्ण रूप से, यह संरचनात्मक परिवर्तन केवल कारखानों तक सीमित नहीं है, बल्कि हथकरघा और हस्तशिल्प तक व्याप्त है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में लगभग 65 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प कार्यक्रम को मजबूती प्रदान करते हुए, इसे महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल और ओडीओपी विजन के अनुरूप बनाया जाएगा, जिससे यह क्षेत्र जीविकोपार्जन सहायता से कौशल विकास, ब्रांडिंग और सतत वैश्विक बाजार पहुँच की दिशा में बढ़ेगा, तथा रोजगार वृद्धि समावेशी, भविष्य के लिए तैयार और राष्ट्रीय स्तर पर वितरित होगी। बजट 2026 में मूल्य श्रृंखला में पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार प्रथाओं का समावेश करते हुए और स्थिरता को भविष्य में निर्यात प्रतिस्पर्धा के प्रमुख चालक के रूप में स्वीकार करते हुए टेक्स ईको पहल के ज़रिए वस्त्र क्षेत्र में स्थिरता को एक डिज़ाइन सिद्धांत के रूप में भी शामिल किया गया है।

बजट के गणित से राष्ट्रीय दिशा तक - विकसित भारत का मार्ग

पहली बार, वस्त्र क्षेत्र को केवल एक पारंपरिक उद्योग के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य के रोजगार और उद्यमिता इंजन के रूप में स्थापित किया जा रहा है। 2020 से 2030 के बीच लगभग 5 करोड़ नए रोजगार सृजित करने की क्षमता के साथ, यह क्षेत्र भारत की श्रम-प्रधान विकास रणनीति के केंद्र में है। विकसित भारत बजट नए दौर के वस्त्र स्टार्टअप्स और विस्तारित कंपनियों के लिए ठोस नींव तैयार करता है। रोजगार, कौशल और स्थिरता को केंद्र में रखकर, यह बजट समावेशी विकास के लिए स्पष्ट और डेटा-आधारित मार्गदर्शन प्रस्तुत करता है। यह बजट विकसित भारत 2047 और उससे आगे के स्वरूप को आकार देते हुए भारत को उत्पादक रोजगार और प्रतिस्पर्धात्मक उद्यमिता के क्षेत्र में सोने की चिड़िया के रूप में लौटने का आधार देता है।

लेखक केंद्रीय कपड़ा मंत्री हैं: व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं

स्वच्छ पेयजल और भोजन समेत समग्र समाधान की जरूरत

पंकज चतुर्वेदी

टायफाइड के बढ़ते आंकड़े देश के लिए बड़ी चेतावनी है। इस पर एंटीबायोटिक दवाओं का बेअसर होना और संक्रमण से बड़ी संख्या में मौतें चिंताजनक है। ऐसे में दवा-प्रतिरोध के समाधान, साफ भोजन-पानी और स्वच्छता पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। पहले तो अत्यधिक थकान और सुस्ती महसूस हो रही थी, फिर बुखार के साथ-साथ तेज सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द शुरू हो गया। दवा बगैर डॉक्टर की सलाह से खा ली तो भूख लगना ही बंद हो गया और पेट खराब हो गया। लक्षण तो टायफाइड के थे लेकिन पहली बार टेस्ट में पुष्टि नहीं हुई। फिर जांच कार्रवाई तो पता चला कि आंतों में साल्मोनेला टाइफी नामक बैक्टीरिया तेजी से बढ़ रहा है और मियादी बुखार या टायफाइड है कि मरीज को ठीक होने में कम से कम एक महीना लगेगा। भारत में

महानगरों से लेकर गांवों तक टायफाइड महामारी के रूप में फैलता जा रहा है। लेकिन इसके लिए कोई विशेष अभियान नहीं बनाया गया।

वर्ष 2023 के आंकड़े बताते हैं कि देशभर में इस महामारी के 49 लाख से अधिक मामले सामने आए, जबकि 7,850 लोगों की मौत हो गई। इनमें बड़ी तादाद में बच्चे शामिल थे। आंकड़ों के अनुसार, पांच साल से कम आयु के करीब 3.21 लाख बच्चों को टायफाइड के बाद अस्पताल ले जाया गया जो कुल भर्ती मरीजों का जो 44 फीसदी है। इस आयु वर्ग के 2,600 बच्चों की मौत हो गई। वहीं पांच से नौ साल के करीब 2.65 लाख करीब 2.65 लाख बच्चों को टायफाइड के कारण अस्पताल में भर्ती करना पड़ा और लगभग 2,900 बच्चों की जान गई। अध्ययन के मुताबिक छह माह से चार साल तक के बच्चों में अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु का जोखिम सर्वाधिक पाया गया। खास बात यह कि तीन राज्यों-दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक में इसका प्रकोप अधिक है। यहां बीमारी के कुल मामलों के 29 प्रतिशत मरीज पाये गए। इन राज्यों में न सिर्फ संक्रमण ज्यादा दर्ज किया गया, बल्कि एन्टीबायोटिक प्रभावहीन रहने व मरने वालों की संख्या भी अधिक रही। हालात दो कारणों से भयावह हो रहे हैं, एक तो इस रोग के मूल कारक दूषित पेयजल व भोजन पर कोई नियंत्रण नहीं हो पा रहा वहीं इस रोग के इलाज में कारगर मानी जाने वाली एंटीबायोटिक दवाएं तेजी से बेअसर होती जा रही हैं। बच्चों में संक्रमण व मृत्यु दर अधिक होने से संकट और गहरा गया है।

हाल ही में इंदौर के दूषित पेयजल से बहुत सी मौतें हुई, तभी गुजरात के गांधी नगर में भी दूषित पेयजल से सैकड़ों लोग बीमार हुए और ये सभी टायफाइड के ही शिकार थे। शहरी आबादी के बीच पानी की गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था इस बीमारी के प्रसार का बड़ा कारण है। टायफाइड बैक्टीरियल संक्रमण है, जो मुख्य रूप से गंदे पानी और दूषित भोजन से फैलता है। महानगरों में बढ़ती जनसंख्या का दबाव, जर्जर पेयजल पाइपलाइनें, और सीवरेज सिस्टम का पेयजल लाइनों के साथ मिलना इस संक्रमण को घर-घर पहुंचा रहा है। जब देश तेजी से शहरीकरण की तरफ बढ़ रहा है और अधिकांश शहरीकरण अनियोजित है तो पीने का साफ पानी बड़ी समस्या है। इसके साथ ही बगैर गुणवत्ता व सड़क किनारे धूल-गंदगी में खुल रहे खाने-पीने के स्टाल बीमारी के प्रसार में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

एक तो इस रोग से बचने के लिए टायफाइड कॉन्जुगेट वैक्सीन (टीसीवी) को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में प्रभावी ढंग से शामिल करना होगा, ताकि बच्चों को संक्रमण के शुरुआती चरण में ही सुरक्षा मिल सके। फिर 'हर घर जल' या शहरों में 'अमृत' योजना के अंतर्गत अधिक लोगों तक पानी पहुंचाने के आंकड़े बढ़ाने से बेहतर होगा कि अभियानों को केवल पाइप पहुंचाने तक सीमित न रखकर, पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच और पाइपलाइनों के रखरखाव पर जोर दिया जाए।

इसी तरह सड़क किनारे हो या बड़े रेस्टोरेंट-भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कड़े नियम और सतत निरीक्षण होना चाहिये। बिना डॉक्टरी सलाह एंटीबायोटिक दवाओं की खरीद-बिक्री पर सख्त नियंत्रण की आवश्यकता है। डॉक्टरों और मरीजों को दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करना होगा।

भारत एआई अनुप्रयोग भंडार - प्रभाव के लिए संदर्भ-नवाचार के पैमाने का विस्तार

एन दयासिंधु

ऋषिकेश टी कृष्णन

भारत में एआई की अंतिम सफलता इसके जीपीयू क्लस्टरों के आकार से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि हमारे एआई अनुप्रयोग नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में कैसे सुधार ला सकते हैं उदाहरण के लिए, जब एआई आशा कार्यकर्ताओं को उच्च जोखिम वाली गर्भवती स्त्रियों का पता लगाने में मदद करता है, या छोटे किसानों को कीटनाशक की खपत पर महत्वपूर्ण कमी लाने में मदद करता है, या एक दूर-दराज स्थित सरकारी स्कूल के बच्चे की पढ़ाई और गणित में अंक बढ़ाता है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2026 इस बात में व्यावहारिक है कि भारत एआई का लाभ कैसे उठा सकता है। आर्थिक सर्वेक्षण में भारतीय एआई आर्थिक परिषद ने प्रस्ताव किया है कि एआई का प्रमुख उद्देश्य मानव प्रधानता और आर्थिक हित पर आधारित है। इस बात में स्पष्टता है कि राष्ट्रीय स्तर पर एआई अपनाने की नीति को मानव कल्याण और आर्थिक समावेश में सहायक होना चाहिए। एआई को घरेलू आर्थिक वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और एआई अपनाने के लाभ अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों और सभी नागरिकों तक पहुँचने चाहिए। सौभाग्य से, हमारे लिए, भारतीय नवोन्मेषक ऐसे एआई अनुप्रयोगों को आगे बढ़ा रहे हैं, जो उन सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को हल करते हैं, जो तात्कालिक तौर पर और भारत के संदर्भ में प्रासंगिक हैं। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, शहरी प्रबंधन और आपदा तैयारी से जुड़े अनुप्रयोग आशाजनक हैं। सही समर्थन के साथ, इनमें से कई अनुप्रयोगों का पूरे भारत में विस्तार किया जा सकता है और भविष्य में इन्हें भारत एआई अनुप्रयोग भण्डार में शामिल किया जा सकता है, और यहां तक कि इन्हें वैश्विक बाजारों में भी ले जाया जा सकता है। आइए कुछ रोचक पहलों पर नजर डालें।

स्वास्थ्य देखभाल: निरामई ने बिना किसी दवा-सुई वाला (नॉन-इनवेसिव), गोपनीयता के प्रति जागरूक स्तन कैंसर जांच उपकरण विकसित किया है, जो पारंपरिक मैमोग्राफी के बजाय एआई-संचालित थर्मल इमेजिंग का उपयोग करता है। यह उपकरण सभी उम्र की महिलाओं में असामान्य स्थिति का शीघ्र पता लगाने में सक्षम बनाता है, जिसमें घने स्तन ऊतक भी शामिल हैं जहां मैमोग्राफी अक्सर विफल हो जाती है। यह आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाने लायक और किफायती है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर जांच को व्यावहारिक बनाता है। Qure.ai एक एआई उपकरण है, जो सेकंडों में एक्स-रे और सीटी स्कैन का विश्लेषण करता है, टीबी, फेफड़ों के कैंसर और दिल की समस्या जैसी 35 से अधिक स्थितियों का पता लगाता है। यह समाधान संसाधन-सीमित परिस्थितियों में बहुत प्रभावी है जहां रेडियोलॉजिस्ट अनुपलब्ध हैं तथा दूरदराज के जिलों में तेजी से प्राथमिक परीक्षण और उपचार की सुविधा प्रदान करते हैं। एआईस्टेथ, एक एआई-संचालित स्टेथोस्कोप, हृदय और फेफड़ों की आवाज़ों को सटीक, दूरस्थ निदान के लिए दृश्य तरंग रूपों में बदल देता है। यह किफायती उपकरण 93% सटीकता के साथ ग्रामीण भारत में स्वास्थ्यकर्मियों को शुरुआती दौर में ही हृदय और श्वसन समस्याओं का पता लगाने में सक्षम बनाता है। यह विशेषज्ञ देखभाल में मौजूद महत्वपूर्ण कमी को समाप्त करता है और इसमें भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने की क्षमता है।

कृषि: न्योपर्क एक हल्का-फुल्का उपकरण है, जो इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी और मशीन लर्निंग का उपयोग करके पारंपरिक लैब रसायनों के बिना तुरंत मिट्टी के स्वास्थ्य का विश्लेषण करता है। यह पांच मिनट से कम समय में 12 प्रमुख मृदा-मानकों पर लैब-सटीक परिणाम प्रदान करता है। यह किसानों को उर्वरक के उपयोग पर डेटा-आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है, जिससे मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार होता है और इनपुट खर्च में कमी आती है। वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता संस्थान का कॉटनऐस एक एआई -आधारित मोबाइल ऐप है जो किसानों को जाल में पकड़े गए कीड़ों के फोटो अपलोड करने की सुविधा देता है और कीटनाशक के उपयोग को लेकर तत्काल, स्थान-अनुकूल सलाह प्राप्त करता है। यह ऐप हज़ारों छोटे कपास किसानों को पिंक बुलवर्म जैसे कीड़ों से अपनी फ्सल की रक्षा करने में मदद करता है, जिससे उच्च गुणवत्ता की फसल मिलती है और आय में वृद्धि होती है। निको रोबोटिक्स एआई -संचालित रोबोट का उपयोग करता है, जो कंप्यूटर विज़न (दिन और रात वाले कैमरे) से लैस हैं, ताकि वास्तविक समय में कीड़े और खरपतवार की पहचान की जा सके। यह प्रभावित क्षेत्रों में छिड़काव को सक्षम बनाता है तथा इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि रसायनों का उपयोग केवल आवश्यक जगहों पर ही किया जाएगा। इससे कीटनाशकों के उपयोग में महत्वपूर्ण कमी आई है (कुछ मामलों में 60-90% तक), जिससे किसानों की लागत घटती है और पर्यावरण विषाक्तता कम होती है। क्रॉपिन एक एआई-सक्षम डिजिटल इकोसिस्टम है जो खेत की निगरानी, क्रेडिट जोखिम विश्लेषण और किसान सहभागिता तक फैला हुआ है। यह स्थायी उत्पादकता और जलवायु-अनुकूल निर्णयों को बढ़ावा देता है, हिस्सों में बंटी प्रथाओं को अनुमान-योग्य कृषि प्रणालियों में बदल देता है, जिसका वैश्विक स्तर विस्तार किया जा सकता है।

शिक्षा: पढ़ाईविदएआई एक एआई-संचालित व्यक्तिगत ज्ञान-प्राप्ति प्लेटफार्म का उपयोग करता है, जिसे सरकारी स्कूलों में गणित सीखने के कमजोर परिणामों में को सुधार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। केवल छह सप्ताह में, इस पहल ने उत्तीर्ण होने की दर और उच्च-प्राप्त करने वालों के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण सुधार किया। यह ग्रामीण भारतीय शिक्षा में सीखने के अंतर को पाटने के लिए एक ऐसे मॉडल के रूप में काम करता है, जिसके पैमाने का विस्तार किया जा सकता है। राकेट लर्निंग के पास अप्पू (एक जनरेटिव एआई हाथी) नामक एआई संचालित शिक्षा साथी है, जो माता-पिता और बच्चों के साथ व्हाट्सएप के जरिए संवाद करता है। यह छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को आधारभूत साक्षरता और अंकगणित कौशल प्राप्त करने में मदद करने के लिए छोटे-छोटे, खेल-आधारित गतिविधियाँ प्रदान करता है। बेलगावी स्मार्ट सिटी अपने सार्वजनिक पुस्तकालय में डीप लर्निंग-सक्षम ई-बुक्स को एकीकृत कर रहा है। उपयोगकर्ता के व्यवहार का विश्लेषण करने और कहानी की रूपरेखा, शब्दावली और कठिनाई स्तर को वास्तविक समय में अनुकूलित करने के लिए डिज़ाइन की गई इन किताबों ने सहभागिता और समझ के स्तर में सुधार किया है। केवल दो सप्ताह में पढ़ने की गति में 12त्न वृद्धि हुई है।

सरकार इन जमीनी स्तर पर केंद्रित एआई नवाचारों के लिए एक शक्तिशाली इकोसिस्टम आयोजक बन सकती है और इन्हें पूरे भारत में उच्च-प्रभाव वाले अनुप्रयोगों तक विस्तार करने में मदद कर सकती है। सरकार का एक मुख्य ध्यान इन एआई अनुप्रयोगों के लिए बाजार बनाने में सहायता करना भी हो सकता है। एक बार जब ये एआई अनुप्रयोग खुद को साबित कर लेते हैं, तो सरकार सबसे प्रभावशाली अनुप्रयोगों को भारत एआई अनुप्रयोग भंडार में एकीकृत करने में सुविधा प्रदान कर सकती है यानी, ऐसे समाधान जो भारत के पैमाने और विविधता के लिए बनाए गए हैं और विश्व स्तर पर उपयोग करने के लिए तैयार हैं। हम ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन एआई जैसे प्लेटफॉर्म का लाभ उठा सकते हैं। भारतीय एआई अनुप्रयोग भंडार के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय शासन रूपरेखा, जो यूरोपीय जीडीपीआर जैसी अंतर्राष्ट्रीय रूपरेखाओं के साथ मेल खाती हो, इस भंडार को कई देशों में तुरंत शुरू करने (प्लग-एंड-प्ले) के योग्य बना सकता है।

(ऋषिकेश टी कृष्णन आईआईएम बैंगलोर में रणनीति के प्रोफेसर हैं। एन दयासिंधु इतिहास रिसर्च एंड डिजिटल के सह-संस्थापक और सीईओ हैं।)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

एनएचएम 38 संविदा पदों हेतु प्रतीक्षा सूची अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 17 फरवरी को

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु कुल 38 पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। इन पदों के लिए जारी प्रतीक्षा सूची के अनुसार पात्र अभ्यर्थियों कि 17 फरवरी 2026 को अपरान्ह 12.00 बजे से मेरिट के आधार पर काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। काउंसलिंग के दौरान अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा तथा रिक्त पदों के विरुद्ध पदस्थापना स्थल का चयन भी किया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के सभागार में संपन्न होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार सभी संबंधित अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को प्रात: 11 बजे तक उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कराएं, ताकि काउंसलिंग प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। इसके साथ ही उक्त विज्ञापित पदों में से पांच पदों हेतु दस्तावेज सत्यापन एवं लिखित/कौशल परीक्षा संवर्गवार मेरिट सूची व परीक्षा समय सारणी विभागीय वेबसाईट www.durg.gov.in में प्रकाशन किया गया है।

33 हितग्राहियों को मिला लाटरी से आवास

भिलाई। शासन के महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकानहीन परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर पालिक निगम भिलाई सभागार कक्ष में प्रधानमंत्री आवास आबंटन की लाटरी का आायोजन किया गया। लाटरी कार्यक्रम में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, सभापति गिरवर बंटी साहू, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, भाजपा जिला अध्यक्ष पुरूषोत्तम देवांगन, महापौर परिषद के सदस्य संदीप निरंकारी, पार्षद महेश वर्मा, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, पार्षद हरिओम तिवारी एवं अधीक्षण अभियंता सह आवास नोडल अधिकारी अजीत तिग्गा की उपस्थिति में 33 हितग्राहियों को आवास आबंटित किया गया है।

सेल बड़ी छलांग की ओर : बेहतर वित्तीय सूझबूझ से 200 लाख टन बिक्री का तय किया नया लक्ष्य

■ **वित्त वर्ष 2024-25 में बिक्री 179 लाख टन रही, इस वर्ष इसे बढ़ाने का लक्ष्य**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत की सबसे बड़ी सार्वजनिक इस्पात कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), भविष्य के लिए एक नई और मजबूत योजना पर काम कर रही है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य अपनी वित्तीय स्थिति को सुधारना और बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। सेल का सबसे बड़ा लक्ष्य अपने ऋण को कम करना है। इससे कंपनी के पास भविष्य के बड़े निवेशों के लिए ज्यादा पैसा और आजादी होगी। कंपनी अपनी उत्पादन लागत को कम करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने पर ध्यान दे रही है ताकि मुनाफा बढ़ाया जा सके। सेल अपनी पहुंच बढ़ा रही है ताकि देश में स्टील की बढ़ती मांग का फायदा उठाया जा सके। कंपनी ने अपनी इस तरक्की को मापने के लिए एक लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जहां बिक्री 179 लाख टन रही, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में इसे बढ़ाकर के लिए 200 लाख टन का लक्ष्य तय किया गया है।

वित्तीय सूझबुझ और दूरदर्शिता की यह गूंज वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के दौरान की अर्निंग्स कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान भी सुनाई दी, जहां निदेशक (वित्त) एवं निदेशक वाणिज्य का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे डॉ. एके पंडा ने कंपनी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि ऋण में कटौती काफी महत्वपूर्ण रही है, जिसमें अप्रैल-दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि के दौरान 5,000 करोड़ का ऋण चुकता किया गया है। पिछले साल 31 दिसंबर, 2025 तक ऋण 24,852 करोड़ था, जिसके बाद जनवरी 2026 में 2,000 करोड़ की और कमी आई। इस अनुशासित ऋण कटौती ने वित्त लागत को कम किया है और विकास निवेशों के लिए अवसर पैदा किए हैं। डॉ. पंडा ने बताया, परिचालन दक्षता, इन्वेंट्री लिक्विडेशन, लागत अनुकूलन और मजबूत ट्रेजरी प्रबंधन इत्यादि ने मिलकर बेहतर वित्तीय प्रबंधन को संभव बनाया है।

आठ माह में 16.3 प्रतिशत की वृद्धि

कंपनी की सक्रिय मार्केटिंग पहलों और खुदरा एवं नए ग्राहक समूहों के साथ गहरे जुड़ाव के कारण वित्त वर्ष 2025-26 की नौ महीने की अवधि (अप्रैल'25 - दिसंबर'25) में बिक्री की मात्रा में 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस प्रयास ने अप्रैल' 25 - जनवरी' 26 के बीच कुल बिक्री को 16.6 मिलियन टन तक पहुँचा दिया, साथ ही महत्वपूर्ण इन्वेंट्री परिसमापन को भी सक्षम बनाया। सेल ने इन-प्रोसेस और तैयार स्टील स्टॉक दोनों को कम करके, सेल ने नकदी प्रवाह को बढ़ाया है और कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को कम किया, जिससे कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई। कंपनी लागत कम करने के लिए ऑपरेशनल लिवर्स को भी तेज किया जा रहा है। सालाना मैनपावर में कमी से प्रति टन कार्मिक लागत दक्षता में लगातार सुधार हो रहा है। इसके साथ ही, सेल अनुपालन की जरूरतों के साथ-साथ लागत कम करने के लिए भी अधिक नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहा है, जिससे ऊर्जा व्यय में संरचनात्मक बचत हो रही है। ये उपाय प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करते हुए कंपनी के व्यापक स्थिरता एजेंडे के साथ मेल खाते हैं।

कंपनी कर्ज कम कर किया जा रहा बेहतर वित्तीय प्रबंधन

कंपनी के भविष्य के विज़न पर सेल के निदेशक (वित्त) एवं निदेशक वाणिज्य का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे डॉ. एके पंडा ने कहा: कंपनी कर्ज कम करके, इन्वेंट्री की अधिक कुशलता से प्रबंधन करके और केंद्रित मार्केटिंग पहलों के मध्यम से अपनी पहुंच का विस्तार करके, विस्तारीकरण की तैयारी के साथ-साथ अपनी नींव को मजबूत कर रहा है। बढ़ती मांग, एक मजबूत कैपेक्स पाइपलाइन और स्थिरता व ग्रीन स्टील के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता के साथ, हम वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 200 लाख टन की बिक्री हासिल करने और आने वाले वर्षों में और भी ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के प्रति आश्वस्त हैं जो आज की ताकत को कल के अवसर में बदल देगा।

कुम्हारी का कुगदा फाटक 15 से 26 फरवरी तक रहेगा बंद

भिलाई। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के अंतर्गत कुम्हारी से भिलाई की ओर स्थित मानव सहित समपार संख्या - 430 कुगदा फाटक में बेहतर सड़क आवागमन सुविधा हेतु रोड अंडरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है 7 इसके फलस्वरूप यह समपार फाटक दिनांक 15 फरवरी से 26 फरवरी तक 12 दिनों के तक सड़क यातायात के लिए पूर्णत: बंद रहेगा।

वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में उक्त समपार फाटक के निकट रायपुर की ओर लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर समपार फाटक क्र. 429 (परसदा गेट) स्थित है एवं दुर्ग की ओर लगभग 2.5 किलोमीटर की दूरी पर समपार फाटक क्र. 436 (उरला गेट) पर अंडरब्रिज निर्मित है तथा उसका उपयोग आवागमन हेतु किया जा रहा है। इसलिए समपार फाटक संख्या 430 के आस-पास से आवगमन करने वाले लोगों को असुविधा नहीं होगी।

वितरण केंद्र पाटन में "स्मार्ट मीटर पखवाड़ा" का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत सरकार के केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के निर्देशानुसार, उपभोक्ताओं को आधुनिक बिजली प्रणालियों के प्रति जागरूक करने के लिए 23 फरवरी 2026 तक "स्मार्ट मीटर पखवाड़ा" मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत वितरण केंद्र पाटन में एक वृहद उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीएसपीडीसीएल पाटन संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री बी.पी. दीपक, सहायक अभियंता श्री कमलेश कुमार साहू, कनिष्ठ अभियंता श्री राजेश कुमार साहू और जीनस स्मार्ट मीटर के मैनेजर श्री केदारनाथ साहनी उपस्थित रहे। शिविर में विभाग के कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय उपभोक्ताओं ने हिस्सा लिया।

शिविर के दौरान अधिकारियों ने उपभोक्ताओं की स्मार्ट मीटर से जुड़ी शंकाओं को दूर करते हुए इसके विभिन्न फायदों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य रूप से उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की पारदर्शिता और सटीक बिलिंग के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह स्वचालित है, इससे मानवीय हस्तक्षेप खत्म होगा और गलत रीडिंग या बिलिंग की समस्या से निजात मिलेगी।

शिविर में उपभोक्ताओं को सिखाया गया कि कैसे वे मोर बिजली ऐप के माध्यम से अपने स्मार्ट मीटर का लाइव डेटा, बैलेंस और खपत की जांच कर सकते हैं। उपभोक्ता अपनी खपत को ट्रैक कर बिजली बिल कम कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर और रिले ऑफ की स्थिति में अपनाए जाने वाले कदमों के बारे में सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा मौके पर ही निराकरण किया गया। विभाग की टीमें इस पखवाड़े के दौरान घर-घर जाकर भी लोगों को जागरूक करेंगी। सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल ने अपील की है कि स्मार्ट मीटर पारदर्शितापूर्ण, सटीक बिलिंग एवं बिजली बचत में सहायक है, अत: उपभोक्ता इस आधुनिक तकनीक को अपनाकर शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं।

एमआईसी ने लिखा समाज कल्याण विभाग को पत्र

महापौर परिषद ने 305 नए आवेदनों को किया स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पेंशन धारियों के खातें में राशि नहीं आने से महापौर परिषद ने समाज एवं कल्याण विभाग को पत्र लिखा है। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने कहा पेंशन हितग्राहियों को पेंशन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। परिषद के सद्स्यों ने बैठक में 305 नए आवेदनों को अनुमोदन भी किया।

दरअसल परिषद के सद्स्यों का कहना था कि नवम्बर 2025 से पेंशन हितग्राहियों के खाते में राशि नहीं आई है। चर्चा के दौरान खुलासा हुआ कि विभाग से ही राशि का आवंटन नहीं हुआ है। इसे महापौर परिषद के सद्स्यों ने गंभीरता से लिया और समाज कल्याण विभाग को पत्र लिखने का निर्णय लिया। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय पेंशन एवं राज्य शासन की पेंशन योजना के तहत वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन के तहत 500-500 और समाजिक सुरक्षा के तहत 49 वर्ष

से कम आयु में विधवा होने पर 20 हजार की सहायता दी जाती है। योजना का लाभ लेने बी.पी.एल. होना अनिवार्य है। महापौर परिषद की बैठक में महापौर शशि सिन्हा, एमआईसी संजू नेताम, जहीर अब्बास, अनिल देशमुख, रोहित धनकर, आयुक्त मोनिका वर्मा, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

महापौर परिषद के सद्स्यों ने अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक प्राप्त 305 पात्र आवेदनों का अनुमोदन किया। पात्र में केन्द्रीय पेंशन योजना के 247 एवं राज्य पेंशन योजना के 58 लोग शामिल है।

नंदिनी रोड में निगम की कार्रवाई, बीच सड़क तक फैले सामान को हटाया, कब्जा करने वाले दुकानदारों को दी चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई के जोन-4 अंतर्गत आने वाले नंदनी रोड क्षेत्र में गुरुवार को निगम प्रशासन द्वारा सड़क बाधा हटाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने हेतु बड़ी कार्यवाही की गई। व्यापारियों द्वारा सड़क पर सामान फैलाकर किए जा रहे अतिक्रमण के खिलाफ बेदखली अभियान चलाते हुए 20,000 रुपये का अर्थदंड वसूला गया।

लंबे समय से यह शिकायत मिल रही थी कि नंदनी रोड पर व्यापारियों द्वारा अपनी दुकानों का सामान सड़कों और फुटपाथ पर फैलाकर रखा जा रहा है। इस अतिक्रमण के कारण मुख्य मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो रहा था और राहगीरों के साथ-साथ वाहन चालकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। नागरिकों की असुविधा को गंभीरता से लेते हुए निगम प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया।

कार्यवाही के दौरान निगम की टीम ने सड़क पर रखे सामानों को जब्त कर मार्ग को खाली कराया। नियमों का उल्लंघन करने वाले 4 व्यापारियों पर कुल 20,000 रुपये की चालानी कार्यवाही की गई। जिसमें हरियाणा ट्रेडर्स, गुड्डू ट्रेडर्स, प्रिया सेल्स एवं अन्य शामिल हैं। साथ ही, सभी व्यापारियों को सख्त हिदायत दी गई है कि भविष्य में सड़क पर सामान पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए निगम टीम, राजस्व और पुलिस प्रशासन का संयुक्त दल मौके पर मौजूद रहा । जिसमें मुख्य रूप से शहर पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार डिकेश्वर साहू, थाना प्रभारी, सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, बाल कृष्ण नायडू, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, सहायक प्रभारी हरिओम गुप्ता, निगम की बेदखली टीम एवं पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर निगम भिलाई शहर की यातायात व्यवस्था और स्वच्छता बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान निरंतर जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

कलेक्टर ने देखा जल परियोजना का काम, ठेकेदार को निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर जिले के पाटन एवं दुर्ग विकासखण्ड अंतर्गत जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन समूह जल परियोजनाओं के अद्यतन प्रगति का निरीक्षण किया।

इस मौके पर उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारियों और कांट्रेक्टरों से चर्चा कर परियोजना अंतर्गत कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। साथ ही समयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मिशन के उद्देश्य हर घर जल को ध्यान में रखते हुए कार्य में प्रगति लाये ताकि मिशन के लक्ष्य के मुताबिक प्रत्येक ग्रामीण परिवार

को व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ओदरागहन-सूरपा समूह जल परियोजना, कौही-रानीतराई समूह जल परियोजना, चंदखुरी समूह जल परियोजना और निकुम समूह जल परियोजना अंतर्गत निर्माणाधीन वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, एमबीआर और खारून एवं शिवनाथ नदी किनारे बनाये जा रहे इंटकवेल का अवलोकन किया। अधिकारियों ने बताया कि एमबीआर एक बड़ी पानी टंकी होती है जो मुख्य पाईपलाईन से आने वाले पानी को जमा करती है और फिर गांव की छोटी टंकियों में वितरित करती है। इसकी क्षमता 210 किलोलीटर की है। ओदरागहन-सूरपा समूह जल परियोजना से 19 गांवों को पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। कौही-रानीतराई समूह जल परियोजना से 14 गांवों को पेयजल आपूर्ति की जाएगी। चंदखुरी समूह जल परियोजना से 31 गांवों को और निकुम समूह जल परियोजना से 13 गांवों को पेयजल आपूर्ति की जाएगी। प्रत्येक इंटकवेलों में 18-18 हार्सपावर के तीन-तीन पम्प स्थापित किये गये हैं। कलेक्टर सिंह ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और इंटकवेलों में विद्युत आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली। साथ ही ईपीएचई को ट्रांसफार्मर लगाने हेतु विद्युत विभाग को डिमांड राशि जमा कराने निर्देशित किया।

नगर निगम क्षेत्र में 30 वर्षों की लीज पर मिलेंगे खाली प्लॉट

■ **भिलाई निगम के अलग अलग क्षेत्रों में आवासीय व व्यवसायिक प्रयोजन के लिए मिलेगा भूखंड**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा विभिन्न आवासीय व व्यावसायिक योजनाओं में आवासीय व व्यावसायिक प्रयोजन के लिए रिक्त 100 भूखण्डों का अंतरण 30 वर्षीय लीज पर दिया जा रहा है। निविदा प्रस्थापन आनलाईन पोर्टल https//eproc.cgstate.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की गई है। रिक्त भूखण्डों के निविदा की अवधि का विवरण निम्नानुसार है।

योजना का नाम नेहरू नगर पूर्व आवासीय योजना ब्लाक ई भूखण्ड क्रमांक 2 आकार 178 वर्ग मीटर, ब्लाक ई भूखण्ड क्रमांक 5 आकार 177.60 वर्ग मीटर, ब्लाक डी भूखण्ड क्रमांक 3 आकार 180 वर्ग मीटर, ब्लाक सी भूखण्ड क्रमांक 8 आकार 216 वर्ग मीटर, ब्लाक 90 भूखण्ड क्रमांक 5 व 7 आकार 135 वर्ग मीटर, ब्लक जे भूखण्ड क्रमांक 5 आकार 63 वर्ग मीटर, ब्लाक के भूखण्ड क्रमांक 4, 9 एवं 10 आकार 63 वर्ग मीटर का है। दक्षिण गंगोत्री व्यवसायकि योजना ब्लाक 5 ए भूखण्ड क्रमांक 6 व 7 आकार 33.75 वर्ग मीटर। मदर टेरेसा नगर आवासीय योजना ब्लाक 31 भूखण्ड क्रमांक 2 एवं 3 आकार 216 वर्ग मीटर। प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम व्यवसायिक योजना ब्लाक 2 भूखण्ड क्रमांक 3, 4, 5 एवं 6 आकार 72 वर्ग मीटर। प्रियदर्शिनी परिसर, संजय नगर तालाब के पास में जी. ई. रोड सुपेला में 14950 वर्ग मीटर है।

निविदा प्रक्रिया में शामिल होने के नियम

निविदा प्रक्रिया में कोई भी व्यस्क भारतीय नागरिक भाग ले सकते है, निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकार को सर्वप्रथम आनलाईन पोर्टल में पंजीयन पूर्ण करना होगा तथा स्वयं का डिजिटल सिग्नेचर टोकन तैयार करना होगा। डिजिटल सिग्नेचर टोकन, किसी भी अधिकृत च्वाईस सेंटर से बनवाया जा सकता है। डिजिटल सिग्नेचर टोकन बनवाने पश्चात पोर्टल में पंजीयन से प्राप्त आई.डी. पासवर्ड एवं डिजिटल सिग्नेचर टोकन पिन के माध्यम से निविदा प्रक्रिया में भाग लिया जा सकता है। भूखण्ड हेतु निर्धारित धरोहर राशि आनलाईन पोर्टल पर जमा किया जाना है। निविदा प्रस्थापन 30 वर्षीय स्थायी लीज पर प्राप्त अधिकतम प्रब्याजि के लिए आमंत्रित की जा रही है एवं प्राप्त अधिकतम प्रब्याजि राशि पर आवासीय प्रयोजन हेतु 0.30 प्रतिशत एवं व्यावसायिक प्रयोजन हेतु 0.60 प्रतिशत वार्षिक भू-भाटक देय होगा।

बसंत बिहार आवसीय योजना के आवासीय प्लॉट

बसंत विहार आवासीय योजना ब्लाक 1 टाइप-बी एमआईजी-1 भूखण्ड क्रमांक 1 से 14 आकार 216 वर्ग मीटर। ब्लाक 2 टाईप-बी एमआईजी-1 भूखण्ड क्रमांक 1 से 16 आकार 216 वर्ग मीटर। ब्लाक 5 टाईप-डी एलआईजी-1 भूखण्ड क्रमांक 1 से 11 एवं 13 से 24 आकार 135 वर्ग मीटर। ब्लाक 6 टाईप-डी एलआईजी-1 भूखण्ड क्रं. 2 से 10 एवं 13 से 22 आकार 135 वर्ग मीटर। ब्लाक 13 टाईप-ए एचआईजी भूखण्ड क्रमांक 2 से 6 एवं 9 आकार 270 वर्ग मीटर। ब्लाक 14 टाईप-ए एचआईजी भूखण्ड क्रमांक 3, 4 एवं 12 आकार 270 वर्ग मीटर का शामिल है।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

100 ग्राम पंचायत सचिवों का वेतन रोका गया

रायपुर। जिला पंचायत गरियाबंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने ग्राम पंचायतों में संचालित शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लेटलतीफी के कारण जनपद पंचायत मैनपुर के 57 एवं जनपद पंचायत देवभोग के सभी 43 ग्राम पंचायत सचिवों का जनवरी माह का वेतन रोकने की कार्रवाई की है। गौरतलब है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जिले की ग्राम पंचायतों में संचालित शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना, समर्थ पोर्टल, ग्राम संपदा, 15वां वित्त आयोग तथा अन्य विकासमूलक योजनाओं की नियमित समीक्षा एवं ग्राम पंचायतों के निरीक्षण तथा जनपद पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत सचिवों की समीक्षा बैठक आयोजित कर ग्राम पंचायतों को निर्माण एवं विकास कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए गए थे। निर्माण एवं विकास कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराने की बार-बार निर्देश एवं चेतावनी के बावजूद संबंधित ग्राम पंचायतों में योजनाओं के क्रियान्वयन में अपेक्षित प्रगति नहीं पाई गई। फ्लस्वरूप सबंधित ग्राम पंचायतों के सचिवों का वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन में किसी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लाभांडी से सरोना तक सर्विस लेन चौड़ीकरण को मिली मंजूरी

रायपुर। रायपुरवासियों और मुंबई-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग-53 का उपयोग करने वाले हजारों वाहन चालकों के लिए राहत भरी खबर है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सरोना से लाभांडी के बीच सर्विस लेन के चौड़ीकरण की परियोजना को मंजूरी दे दी है। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से 14.25 किलोमीटर लम्बाई में दोनों ओर के सर्विस लेन की चौड़ाई 10-10 मीटर की जाएगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राजधानी रायपुर की इस बहुप्रतीक्षित जरूरत के पूरा होने पर केंद्र सरकार और केन्द्रीय सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दोनों ओर के सर्विस रोड का चौड़ीकरण रायपुरवासियों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। इससे शहर के बीच यातायात सुगम होगा, जाम की समस्या घटेगी और लोगों का समय बचेगा। शहर के भीतरी और बाहरी दोनों मार्गों पर सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात हमारी प्राथमिकता है। राजधानी रायपुर के बीच से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-53 के दोनों ओर के सर्विस लेन के चौड़ीकरण से लाभांडी, तेलीबांधा, पचपेड़ी नाका, संतोषी नगर, भाठागांव अंतरराज्यीय बस स्टैंड और सरोना जैसे हाइवे से सटे इलाकों में रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। अभी इस मार्ग पर चौबीसों घंटे भारी वाहनों का दबाव रहता है, जिससे स्थानीय यातायात प्रभावित होता है और अक्सर जाम की स्थिति बनती है। सर्विस लेन की चौड़ाई दोगुनी होने से स्थानीय व्यापारियों को लोडिंग-अनलोडिंग में सहूलियत होगी। साथ ही इस मार्ग से रोजाना आना-जाना करने वाले हजारों वाहन चालकों का समय भी बचेगा। शहर के बीच क्रियान्वित होने वाली इस परियोजना में सड़क चौड़ीकरण के लिए किसी भी तरह के भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सड़क के दोनों किनारों पर एनएचएआई के पास पर्याप्त जमीन पहले से उपलब्ध है। निर्माण कार्य को गति देने सबसे पहले छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा सर्विस लेन में लगे बिजली के खंभों को शिफ्ट किया जाएगा।

बीसीसीआई सीनियर महिला वनडेः छत्तीसगढ़ की लगातार चौथी जीत, विदर्भ को 7 विकेट से हराया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीसीसीआई सीनियर महिला एक दिवसीय ट्रॉफी 2025-26 में छत्तीसगढ़ की वुमेन्स टीम का जलवा बरकरार है। छत्तीसगढ़ ने इस टूर्नामेंट का अपना लगातार चौथा मुकाबला जीत लिया है। छत्तीसगढ़ की सीनियर महिला टीम ने विदर्भ की टीम को 7 विकेट से हराया। छत्तीसगढ़ की महक नरवसे प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड दिया गया।

बीसीसीआई द्वारा आयोजित सीनीयर वुमेंस वनडे क्रिकेट टुर्नामेंट 2025-26 में छत्तीसगढ़ की टीम का चौथा मैच गुरूवार को बडौदरा में विदर्भ टीम के विरुद्ध खेला गया। छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 47.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर 158 रन ही बनाये। विदर्भ की ओर से कप्तान दिशा कसाट ने 65 रन तथा लतिका इनामदार ने 27 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त मोना ने 17 रन बनाये। छत्तीसगढ़ टीम के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुये विदर्भ के बल्लेबाजों को रन बनाने से रोके रखा तथा नियमित अंतराल में विकेट लेते रहें। छत्तीसगढ़ की ओर से महक नरवसे तथा तरन्नुम पठान ने 4-4 विकेट प्राप्त किया। 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने 47.3 ओवरों में 3 विकेट खोकर 159 रन बनाकर मैच जीत लिया।

छत्तीसगढ़ की ओर से महक नरवसे ने दोहरा प्रदर्शन करते हुये 66 रनों का योगदान दीया। उनके अतिरिक्त शिल्पा साहु ने महत्वपूर्ण 45 रन तथा कप्तान कृति गुप्ता ने 27 नाबाद रनों का योगदान दिया। विदर्भ की ओर से कोमल, कंचन तथा आरती बेहनवाल ने 1-1 विकेट प्राप्त किया। इस तरह छत्तीसगढ़ ने मैच 7 विकेट से जीत लिया। मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए महक नरवसे को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

धन-धान्य से पुष्पित-पल्लवित धरा को विकसित बनाने संकल्पित होकर काम कर रही सरकार : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और लोगों का आत्मीय व्यवहार अत्यंत प्रभावित करने वाला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर प्रदेश है और धन-धान्य से पुष्पित-पल्लवित इस धरा को हमारी सरकार सुंदर, समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में सिक्किम राज्य से अध्ययन भ्रमण पर पहुंचे पत्रकारों के दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया और उनसे छत्तीसगढ़ को लेकर ढेर सारी बातें साझा की। उन्होंने सभी अतिथियों को राजकीय गमछा भेंट कर छत्तीसगढ़ में स्वागत और अभिवादन किया। मुख्यमंत्री की सहृदयता और आतिथ्य पाकर सभी पत्रकार अभिभूत हुए और उन्हें सिक्किम आने का निमंत्रण भी दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ 44 प्रतिशत वन क्षेत्र से आच्छादित है तथा यहां 31 प्रतिशत आदिवासी समुदाय निवासरत है। वनोपज संग्रहण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से जनजातीय समुदाय आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। जशपुर जिले में स्व-सहायता समूह की महिलाएं 'जशप्योर' ब्रांड के अंतर्गत उत्पाद तैयार कर आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए सरकार द्वारा 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से भुगतान किया जा रहा है तथा चरण पादुका योजना के तहत नि:शुल्क चप्पल प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह की चिंता को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2005 में इस योजना की शुरुआत की गई थी। हाल ही छह हजार से अधिक जोड़े इस योजना के अंतर्गत विवाह बंधन में बंधे, जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत नवदंपतियों को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता एवं 15 हजार रुपये का सामग्री सहयोग प्रदान किया जाता है।

नक्सलवाद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सफल नेतृत्व और दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते प्रदेश में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। राज्य सरकार की आकर्षक पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50 हजार रुपये की सहायता तथा तीन वर्षों तक प्रति माह 10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। अब तक 2,500 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें रोजगार से जोड़ने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। श्री साय ने बताया कि जगदलपुर में आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा 'बस्तर पंडुम' कैफे का सफल संचालन इसका सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि 'नियद नेल्ला नार' योजना के अंतर्गत 17 शासकीय योजनाओं को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाया गया है, जिससे सड़क, बिजली, पानी, राशन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की पहुंच सुदृढ़ हुई है। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहे हैं। पर्यटन की संभावनाओं पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। चित्रकोट जलप्रपात, कुटुम्बसर गुफाएं, अबूझमाड़ के वन और धुड़मारास जैसे स्थल प्रदेश की पहचान हैं। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु होम स्टे को उद्योग का दर्जा दिया गया है, जिसके तहत ग्रामीणों को पांच कमरों तक निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं औद्योगिक विकास के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि नवा रायपुर में 100 एकड़ क्षेत्र में मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है, जहां निम्न आय वर्ग के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

उन्होंने प्रदेश की आकर्षक नवीन औद्योगिक नीति का ज़िक्र करते हुए कहा कि इसके तहत राज्य को लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। साथ ही चित्रोत्पला फिल्म सिटी की स्थापना से प्रदेश में फिल्म उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। सिक्किम की पत्रकार सुश्री अर्चना प्रधान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 'मेक इन इंडिया' का प्रभावी स्वरूप देखने को मिला। भिलाई स्टील प्लांट में रेल पटरियों सहित विभिन्न इस्पात उत्पादों का निर्माण प्रदेश के औद्योगिक सामर्थ्य को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के औद्योगिक इकाइयों को हमें करीब से देखने का मौका मिला और हम जान पाए है कि इस प्रदेश का देश के विकास में कितना महत्वपूर्ण योगदान है।

मेला स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सशक्त माध्यम-मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नारायणपुर में आयोजित ऐतिहासिक माता मावली मेले में छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप तथा राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने माता मावली की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों, विशेषकर जिलेवासियों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री कश्यप ने कहा कि मावली माता के आशीर्वाद से बस्तर की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराएं सदैव अक्षुण्ण रहें। उन्होंने कहा कि नारायणपुर का यह मेला सामाजिक समरसता, लोककला और परंपरा का जीवंत संगम है, जहां दूर-दूर से लोग पहुंचकर बस्तर की संस्कृति से रूबरू होते हैं।

उन्होंने सभी को मेले में शामिल होकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने का आग्रह किया। मंत्री द्वय ने मेले में लगे विभिन्न दुकानों एवं विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया तथा स्थानीय उत्पादों और पूजा सामग्री की खरीदारी भी की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करते हैं। इस अवसर पर कुल 1 करोड़ 76 लाख 59 हजार रुपये के कार्यों का भूमिपूजन तथा 59 लाख 51 हजार रुपये के कार्यों का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप 10 प्राथमिक शाला भवनों के निर्माण हेतु भूमिपूजन किया गया, जिनकी स्वीकृत राशि 1 करोड़ 41 लाख 60 हजार रुपये है। इसके अलावा जनपद पंचायत ओरछा के ग्राम कुतुल एवं जाटलूर में दो-दो बाजार शेड निर्माण के लिए 34 लाख 99 हजार रुपये स्वीकृत किए गए। जनपद पंचायत नारायणपुर अंतर्गत बागडोंगरी, पालकी और महिमागवाड़ी में 59 लाख 51 हजार रुपये की लागत से निर्मित खाद्यान्न भवनों का लोकार्पण किया गया। साथ ही नेलवाड़ और खोड़गांव में 100-100 मैट्रिक टन क्षमता के गोदामों का भी लोकार्पण किया गया।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल का स्थापना दिवसः योजनाओं की समीक्षा, गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने आज अपना 22वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। राज्य गठन के बाद 12 फरवरी 2004 को मंडल का पुनर्गठन किया गया था। पुनर्गठन के पश्चात अब तक मंडल द्वारा निर्मित लगभग एक लाख आवासों एवं संपत्तियों में से करीब 75 प्रतिशत आवास कमजोर एवं निम्न आय वर्ग के हितग्राहियों के लिए तैयार किए गए हैं।

स्थापना दिवस के अवसर पर मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव और आयुक्त अवनीश शरण ने सभी शाखाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। अध्यक्ष सिंह देव ने हाउसिंग बोर्ड परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बेहतर कार्य संस्कृति और हितग्राहियों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सभी संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने रिव्यू, रिफॉर्म और रिवोल्यूशन की कार्यसंस्कृति अपनाने पर बल दिया। अध्यक्ष ने बताया कि वर्षों से रिक्त पड़ी संपत्तियों में से 70 प्रतिशत का विक्रय किया जा चुका है।

शेष 30 प्रतिशत संपत्तियों के शीघ्र विक्रय के लिए नई नीति तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें मरम्मत एवं आवश्यक सुधार कार्य भी शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विकसित कॉलोनियों में ऐसे भूखंड, जो मंडल के उपयोग में नहीं हैं या अतिरिक्त रूप में आबंटित किए जा सकते हैं, उनका त्वरित निराकरण किया जाए।

नई आवासीय योजनाओं के तहत विक्रय हो रहे मकानों की साइट पर एक टिन शेड कार्यालय स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए, जहां परियोजना से संबंधित सभी जानकारी और ब्रोशर उपलब्ध कराए जाएं।

छत्तीसगढ़ में वन संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और आजीविका विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां : केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन, सहकारिता एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने आज छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में वन संरक्षण, हरित आवरण विस्तार, वन्यजीव संवर्धन, इको-टूरिज्म विकास तथा वनवासियों की आजीविका सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार वन संरक्षण के साथ-साथ सतत विकास, जैव विविधता संरक्षण और वनवासियों की आजीविका सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

प्रेस वार्ता में मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान द्वारा दिसंबर 2024 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ के वन एवं वृक्ष आवरण में लगभग 683 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 44 प्रतिशत भाग वन क्षेत्र है। अत्यंत सघन वनों में 348 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज होना वनों की गुणवत्ता और पारिस्थितिक संतुलन में सुधार का प्रमाण है।

श्री कश्यप ने बताया कि राज्य में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत वर्ष 2024 में 4 करोड़ 20 लाख से अधिक तथा वर्ष 2025 में 2 करोड़ 79 लाख से अधिक पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया है।

उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित किसान वृक्ष मित्र योजना के अंतर्गत निजी भूमि पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पात्र हितग्राहियों को पांच एकड़ तक 100 प्रतिशत तथा उससे अधिक क्षेत्र में 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान दिया जाता है। विगत दो वर्षों में 36 हजार 896 हितग्राहियों की 62 हजार 441 एकड़ भूमि में 3 करोड़ 67 लाख से अधिक पौधे लगाए गए। प्रेस वार्ता में मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के अनुरूप आदिवासी देव स्थलों के संरक्षण के लिए मोदी की गारंटी के तहत पिछले दो वर्षों में 435 देवगुड़ियों का निर्माण किया गया, जिस पर लगभग 16.17 करोड़ रुपये व्यय किए गए।

उन्होंने बताया कि वन विभाग में पिछले दो वर्षों में तृतीय श्रेणी के 313 पदों पर भर्ती की गई है। इसके अलावा 150 आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। वनरक्षक के 1484 पदों की शारीरिक परीक्षा पूर्ण हो चुकी है तथा आगे की प्रक्रिया जारी है।

श्री कश्यप ने बताया कि राज्य में बाघ संरक्षण के लिए गुरू घासी दास- तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व का गठन किया गया है। वर्ष 2022 में प्रदेश में 17 बाघ थे, जो अब बढ़कर 35 हो गए हैं। बाघों की संख्या बढ़ाने के लिए अन्य टाइगर रिजर्व से बाघों के स्थानांतरण की अनुमति भी प्राप्त हुई है।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए वन मंत्री कश्यप ने कहा कि राजकीय पशु वनभैंसा के संरक्षण के लिए विशेष योजना तैयार की जा रही है। इन्द्रावती टाइगर रिजर्व में 14 से 17 वनभैंसे देखे गए हैं। राज्य पक्षी पहाड़ी मैना के संरक्षण के लिए स्थानीय युवाओं को 'मैना मित्र' के रूप में जोड़ा गया है, जिसके परिणामस्वरूप अब लगभग 600 से 700 पहाड़ी मैना देखे जा रहे हैं।

एमसीबी में बिजली उपभोक्ता करीब 3 गुना, सिंचाई पंप 9 गुना बढ़े

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पिछले 25 वर्षों में बिजली व्यवस्था की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। वर्ष 2000 में अविभाजित कोरिया जिले का हिस्सा रहे इस क्षेत्र में अब विद्युत उपभोक्ताओं, उपकेंद्रों, ट्रांसफार्मरों और लाइनों के नेटवर्क में कई गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इसका सीधा लाभ कृषि, उद्योग और घरेलू उपभोक्ताओं को मिला है। वर्ष 2000 में जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 6,228 वर्ग किमी था, जो 2022 में पृथक जिला बनने के बाद 4,227 वर्ग किमी रह गया। क्षेत्रफल कम होने के बावजूद बिजली सुविधाओं का विस्तार तेजी से हुआ है।

जिले में कुल विद्युत उपभोक्ता वर्ष 2000 में 21,209 थे, जो बढ़कर 57,549 हो गए हैं। उच्च दाब (एचटी) उपभोक्ता 15 से बढ़कर 37 और निम्न दाब (एलटी) उपभोक्ता 9,505 से बढ़कर 57,549 तक पहुंच गए हैं। बीपीएल कनेक्शन 3,562 से बढ़कर 22,679 हो गए हैं, जबकि घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या 7,999 से बढ़कर 27,213 हो गई है।

सिंचाई पंप उपभोक्ताओं की संख्या 128 से बढ़कर 1,159 हो गई है, जो लगभग 9 गुना वृद्धि है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए नियमित बिजली उपलब्ध हो रही है और कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिला है।

132/33 केवी उपकेंद्र 1 से बढ़कर 2 (चैनपुर और बहरासी) हो गए हैं। 33/11 केवी उपकेंद्र 4 से बढ़कर 13 हो गए। पावर ट्रांसफार्मर 5 से बढ़कर 17 और वितरण ट्रांसफार्मर 276 से बढ़कर 3,018 हो गए हैं।

उच्च दाब लाइनें 734 किमी से बढ़कर 3,718 किमी और निम्न दाब लाइनें 368 किमी से बढ़कर 3,429 किमी तक पहुंच गई हैं। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा एक जोन और 8 वितरण केंद्रों के माध्यम से जिले के सभी गांवों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण सुनिश्चित किया गया है। वर्तमान में 57 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को नियमित बिजली आपूर्ति दी जा रही है। बिजली अधोसंरचना के इस विस्तार ने जिले में विकास की रफ्तार को तेज किया है। कृषि, लघु उद्योग और घरेलू सुविधाओं में सुधार के साथ एमसीबी जिले में बिजली अब विकास की मजबूत धुरी बन गई है।

अंतिम छोर बोड़ेगांव पहुंचा 'सर्विस ऑन व्हील्स' सेवा रथ, 137 हितग्राहियों को मिला लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मोहला-मानपुर-चौकी जिले में संचालित 'सर्विस ऑन व्हील्स' (दिव्यांगजन एवं वृद्धजन सेवा रथ) बुधवार को जिले के अंतिम छोर, महाराष्ट्र सीमा से लगे दूरस्थ एवं सीमावर्ती ग्राम बोड़ेगाँव पहुँचा। प्रशासन की इस संवेदनशील पहल से ग्रामीणों में उत्साह का वातावरण देखा गया। पूर्व में जहां शासकीय योजनाओं का लाभ लेने हेतु ग्रामीणों को दूरस्थ मुख्यालय तक जाना पड़ता था, वहीं अब सेवाएं सीधे गाँव तक पहुँच रही हैं। सेवा रथ के माध्यम से दिव्यांगजन एवं वृद्धजनों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस दौरान 48 डीएलसी भौतिक सत्यापन, 34 आधार सीडिंग, 32 वय वंदन योजना पंजीयन तथा 23 हितग्राहियों को सहायक उपकरण वितरित किए गए।

इस प्रकार कुल 137 हितग्राही लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए इसे दूरस्थ क्षेत्र के लिए उपयोगी एवं राहतकारी कदम बताया।

क्या बॉन्ड गर्ल बनेंगी प्रियंका चोपड़ा?

फिल्म में कास्टिंग को लेकर दिया बड़ा हिंट

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड फिल्मों में भी अपने लिए जगह बना ली है। हाल ही में एक इंटरव्यू में देसी गर्ल ने ऐसी बात कही, जिससे हिंट मिला की वह अगली बॉन्ड गर्ल हो सकती है। इस बात पर फैंस ने भी रिएक्शन दिए हैं।

प्रियंका चोपड़ा की जल्द ही एक हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन कर रही हैं। फैंस उनके एक्शन के कायल हो गए हैं। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा की है। इसी दौरान उन्होंने 'बॉन्ड' सीरीज की अगली फिल्म को लेकर जिक्र किया। क्या वह सच में इसका हिस्सा हैं।

'007 बॉन्ड' सीरीज पर प्रियंका चोपड़ा ने क्या कहा?

करियर को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने 007 बॉन्ड सीरीज की फिल्म को लेकर बड़ा हिंट दिया। वह कहती हैं, 'यह प्रोजेक्ट सच में ग्लोबल हो सकता है। मैं इस बात के लिए उत्साहित हूं कि मेकर्स कौन सा रास्ता चुनते हैं।'
यह खबर सुनकर प्रियंका चोपड़ा के फैंस काफी खुश हैं। फैंस सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपड़ा को बेस्ट बॉन्ड गर्ल बताने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स क्या हैं?

प्रियंका चोपड़ा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' और राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। 'वाराणसी' फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बड़े स्तर पर बन रही है। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका चोपड़ा लगातार भारत आ रही हैं। अब उनका नाम फिल्म '007 बॉन्ड' सीरीज को लेकर भी सामने आ रहा है। देखना होगा कि क्या सच में वह बॉन्ड गर्ल बनती हैं या नहीं।

रिलीज से पहले अलग-अलग शहरों में हफ्तेभर तक होगी 'अस्सी' की स्पेशल स्क्रीनिंग ; तापसी पन्नू ने बताई वजह

अभिनेत्री तापसी पन्नू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'अस्सी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस महीने यह फिल्म रिलीज होने जा रही है। इससे पहले तापसी ने फैंस से अपील की है कि वे सिनेमाघर जाकर यह फिल्म देखें।

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने फिल्म 'अस्सी' की सिनेमाघरों में रिलीज से पहले दर्शकों से अपील की है कि वे इस फिल्म को थिएटर्स में जाकर देखें। हालांकि, उन्होंने अनोखे अंदाज में यह बात एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कही है। साथ ही यह जानकारी भी दी है कि इस फिल्म की थिएटर रिलीज से पहले अलग-अलग शहरों में इसकी स्क्रीनिंग होगी और यह सिलसिला पूरे सप्ताहभर चलेगा।

'अच्छे सिनेमा के हकदार तभी हैं, जब उसकी कद्र करते हैं'

तापसी पन्नू ने गुरुवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा है, 'चलो समय बदलते हैं, क्योंकि दुख की बात है कि अब सिर्फ अपनी फिल्म बनाकर आराम से बैठ जाना ही सब कुछ नहीं रह गया है। हम अच्छे सिनेमा के हकदार तभी हैं, जब हम उसकी कद्र करते हैं। समाज जल्द ही अच्छी फिल्मों से भर जाएगा, इसलिए नहीं कि हमने लगातार औसत दर्जे की फिल्में चुनी हैं, बल्कि इसलिए कि आपने तब चुप रहना चुना, जब आपकी आवाज आपको सबसे ऊपर ले जा सकती थी'।

अलग-अलग शहरों में होगी स्क्रीनिंग

तापसी ने आगे लिखा है, 'हम अपनी ऑफिशियल रिलीज से एक हफ्ते पहले अलग-अलग शहरों में स्पेशल स्क्रीनिंग के साथ फिल्म 'अस्सी' के लिए आपका भरोसा और प्यार पाने का अपना सफर शुरू कर रहे हैं। इसे हमारी फिल्म पर भरोसा कहें या आपका फैसला, हम यह पक्का कर रहे हैं कि हमारी कहानी में 'काश....' न हो। आप पक्का करें कि आपकी कहानी में भी यह न हो'।

कब रिलीज होगी 'अस्सी'?

फिल्म 'अस्सी' 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। तापसी के हालिया पोस्ट पर नेटिजन्स सपोर्ट कर रहे हैं और फिल्म के प्रति उत्सुकता जता रहे हैं।

बॉक्सिंग ग्लव्स पहनकर रिंग में उतरीं फातिमा सना शेख दिखाया फुल पावर अवतार

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी फिल्मों और सोशल मीडिया पोस्ट से दर्शकों का खास ध्यान खींचती हैं। उन्होंने मंगलवार को एक मजेदार पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं।

इन तस्वीरों में वे बॉक्सिंग ग्लव्स पहने हुए नजर आ रही हैं, जबकि कुछ में वे रिंग के अंदर आत्मविश्वास से भरे पोज देती दिख रही हैं। उनका पूरा लुक काफी पावरफुल और एनर्जेटिक लग रहा है, लेकिन अभिनेत्री की आखिरी स्लाइड काफी मजेदार है, जिसमें उन्होंने बॉक्सिंग के महान खिलाड़ी अमेरिका के प्रोफेशनल बॉक्सिंग चैंपियन मोहम्मद अली की एक आइकॉनिक तस्वीर लगाई है। अभिनेत्री ने लिखा, तितली की तरह हल्के रहो, और मधुमक्खी की तरह वार करो, मुहम्मद।

फातिम ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न सिर्फ अपनी फिटनेस को दर्शाया है बल्कि मोहम्मद अली के इंस्पिरेशन कोट्स को भी दिखाया है। अभिनेत्री का पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कयास लगा रहे हैं कि आने वाली फिल्म में शायद वे बॉक्सिंग की भूमिका में होंगी।

1997 में फिल्म चाची 420 में बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली फातिमा सना ने बॉलीवुड में कई यादगार फिल्मों में काम किया है, जिनमें लूडो, अजीब दास्तां, और सैम बहादुर शामिल हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर ऐसे पोस्ट शेयर करती हैं, जो मोटिवेशनल और मजेदार होते हैं।

फातिमा इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं, जिसका खुलासा जल्द ही होगा। इससे पहले वे विजय वर्मा के साथ फिल्म गुस्ताख इश्क में नजर आई थीं। फिल्म में दोनों के अलावा, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम रोल में थे।

फिल्म को लेकर दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया आई थी और बॉक्स ऑफिस पर भी ज्यादा कमाई नहीं कर पाई थी। हालांकि, शुरुआत में फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी क्रेज देखा गया था।

'24 साल पहले हमारे दिल, वैलेंटाइन वीक में रितेश पर चढ़ा इश्क का खुमार, जेनेलिया संग साझा की पुरानी यादें

जेनेलिया डिसूजा और रितेश देशमुख बॉलीवुड के आइडल कपल हैं। वैलेंटाइन वीक में वह अपनी पहली मुलाकात, इश्क में डूबने की कहानी को रितेश देशमुख बयां कर रहे हैं।

रितेश और जेनेलिया डिसूजा की शादी को 14 साल हो चुके हैं। लेकिन इनकी मुलाकात 24 साल पहले हुई। 10 साल तक इश्क फरमाने के बाद दोनों शादी के बंधन में बंधे थे। हाल ही में रितेश ने पत्नी जेनेलिया के नाम एक प्यार भरी पोस्ट साझा की है। पहली बार जब दोनों के दिल मिले थे तो कैसा अहसास रितेश को हुआ था, इसे बारे में वह अपनी फीलिंग्स साझा कर रहे हैं।

रितेश का सपना हुआ सच

अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में रितेश ने जेनेलिया के साथ एक रोमांटिक फोटो शेयर की है। साथ ही वह कैप्शन में लिखते हैं, 'ठीक 24 साल पहले हमारे दिल एक-दूसरे से मिले और कभी अलग नहीं हुए। तुम मेरी सबसे सेफ जगह हो। मेरा सबसे वाइल्ड एडवेंचर हो। तुम मेरा सबसे प्यारा सपना हो, जो सच हुआ।

वह आगे लिखते हैं, 'हर दिन मुझे चुनने के लिए थैंक यू। मेरी दोस्त, मेरी लवर, मेरी बाइको (पत्नी)। मैं तुमसे बहुत- बहुत ज्यादा प्यार करता हूं।'

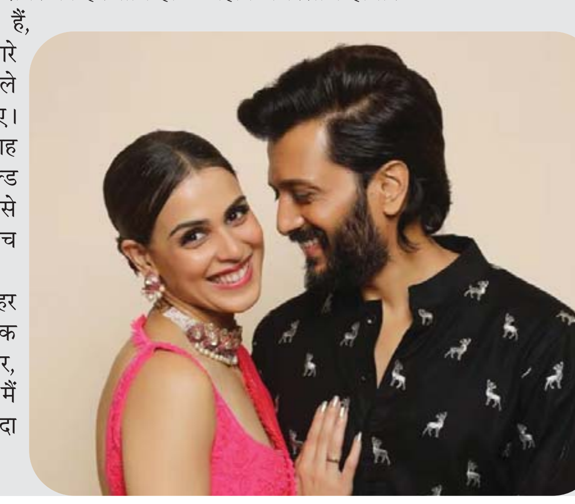

रितेश देशमुख के अपकमिंग प्रोजेक्ट

पिछले साल रितेश देशमुख फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आए थे। अब वह एक फिल्म 'राजा शिवाजी' को निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, जेनेलिया देशमुख, महेश मांजरेकर और फरदीन खान और भाग्यश्री जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म इस साल मई महीने में रिलीज होगी।

भारत में पीली के साथ-साथ मिलती है नीली हल्दी, जानिए इस दुर्लभ मसाले के फायदे

नीली हल्दी एक दुर्लभ मसाला है, जो भारत में हाल ही में लोकप्रिय हुआ है। यह न केवल खाने का रंग बदलता है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी होते हैं। नीली हल्दी को इसका नीला रंग इसके प्रकंदों में मौजूद प्राकृतिक वर्णक पदार्थों से मिलता है। यह खास तौर से उत्तर-पूर्वी भारत में उगाई जाती है और इसे आप बिना चिंता के खान-पान में शामिल कर सकते हैं। आइए इस दुर्लभ मसाले के मुख्य लाभों पर नजर डालते हैं।

सूजन को कम करने में है कारगर

नीली हल्दी में एक खास तत्व पाया जाता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है। यह तत्व जोड़ों के दर्द, हड्डियों की समस्याओं और अन्य सूजन संबंधी बीमारियों के इलाज में भी सहायक हो सकता है। इसके अलावा इस खास हल्दी का सेवन चोट या संक्रमण के कारण होने वाली सूजन को भी कम कर सकता है। नियमित रूप से इसका उपयोग करने से शरीर की सूजन कम होती है और दर्द में भी राहत मिलती है।

त्वचा के लिए है लाभकारी

नीली हल्दी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद गुण त्वचा को साफ-सुथरा और चमकदार बनाते हैं। यह मुंहासे, दाग-धब्बे और झुर्रियों को कम करने में सहायता कर सकती है। इसके अलावा यह त्वचा की नमी बनाए रखती है और उसे मुलायम बनाती है। नियमित रूप से नीली हल्दी का उपयोग करने से त्वचा की रंगत भी सुधरती है और त्वचा की देखभाल करना भी आसान हो जाता है। इसे चेहरे पर पैक के रूप में लगाएं।

पाचन तंत्र को सुधारने में है मददगार

नीली हल्दी पाचन तंत्र को सुधारने में भी सहायक होती है। इसमें मौजूद गुण पेट की समस्याओं को दूर करते हैं और पाचन क्रिया को सुधारते हैं। यह कब्ज, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करती है। इसके अलावा नीली हल्दी का सेवन करने से पेट की सफाई होती है और उसे स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है। इसे चाय या दूध में मिलाकर पीना फायदेमंद हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में है सहायक

नीली हल्दी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मददगार साबित होती है। इसमें मौजूद तत्व शरीर को संक्रमण से लड़ने में सक्षम बनाते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से आप सर्दी-खांसी और बुखार आदि जैसी सामान्य समस्याओं से बच सकते हैं। यह मसाला आपके शरीर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और आपको बीमारियों से दूर रखता है।

कैंसर का जोखिम कम करने में है सहायक

नीली हल्दी कैंसर के खतरे को कम करने में भी मदद कर सकती है। इसमें मौजूद गुण शरीर में हानिकारक तत्वों को खत्म करते हैं, जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा यह कोशिकाओं की मरम्मत करती है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखती है।

नीली हल्दी का सेवन करने से कैंसर कोशिकाओं का विकास भी रुकता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। इसे नियमित रूप से अपने खाने में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

9000 फीट की ऊंचाई पर राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का प्रमोशन

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। पर्वतारोहण और ट्रैकिंग के क्षेत्र में सक्रिय ग्राम पोंड़ जिला गरियाबंद के युवा खेमराज साहू ने हिमाचल प्रदेश की बर्फीली वादियों में राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का प्रचार-प्रसार कर जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कुल्लू जिले की सोलंग वैली से पतालसू पीक ट्रैक के दौरान लगभग 9000 फीट की ऊंचाई पर माइनस 6 डिग्री तापमान में तिरंगा एवं छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर के साथ राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का संदेश दिया।

बता दे कि पर्वतारोहण ट्रैकिंग के क्षेत्र में कार्यरत पोंड़ के युवा खेमराज साहू हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित सोलंग वैली गांव से पतालसू पीक ट्रैक करने के लिए निकले थे जिसकी ऊंचाई लगभग 13900 फीट है परंतु 03 फरवरी 2026 को अत्यधिक बर्फबारी होने से पतालसू पीक तक पहुंच पाना मुश्किल था और कुल्लू जिला प्रशासन व हिमाचल प्रशासन द्वारा मौसम को देखते हुए उंचाई पर ट्रैक में जाने के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था, चूंकि जिस रास्ते से ट्रैक करके पहाड़ी चढ़ना था, वहां पर लगभग 8से 10 फीट तक बर्फ जमा हुआ था।

खेमराज व उनके साथियों ने एडवेंचर वैली के प्रशिक्षु माउंटेनियर के मार्गदर्शन में यह ट्रैक करने की कोशिश की, जिसमें सोलंग वैली गांव से होकर शगाडुग के जंगलों में ट्रैक करते हुए सीने तक की जमी बर्फ को हटाकर, धसते पैर से रास्ता बनाकर ट्रैक किया। मौसम के अनुकूलता को देखते हुए लगभग 9000 फीट की ऊंचाई -6 डिग्री पर खेमराज ने राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का तस्वीर के साथ प्रमोशन करते हुए, छत्तीसगढ़ महतारी की छायाप्रति व तिरंगा लहराते हुए यह सफल आरोहण किया।

इसके पहले भी खेमराज साहू 2023 में केदारकंठा चोटी (12500 फीट) उत्तराखंड में गरियाबंद जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर के साथ गरियाबंद जिले के विभिन्न दर्शनीय स्थल को प्रमोट कर चुके हैं, जिसके लिए खेमराज साहू का नाम ''वर्ल्ड वाइड बुक आफरिकॉर्ड'' में दर्ज है, इसके साथ ही रायपुर से गरियाबंद तक एक दिवसीय सायकल यात्रा करते हुए वर्ष 2023 में मेले को भी प्रमोट कर चुके हैं। यह आरोहण में खेमराज के साथ छत्तीसगढ़ से ट्रैकर नितेश अग्रवाल, राजनांदगांव व ओड़िशा के एक्सपीडिशन एडवेंचर ट्रैकर प्रवासिनी व उनके अन्य साथी शामिल रहे।

राजिम कुंभ कल्प के मंच पर बिखरा छत्तीसगढ़ का रंगः गूंजे सुवा-राउत और भजन के स्वर

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के स्थानीय मंच पर बुधवार 12 फरवरी को आयोजित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को छत्तीसगढ़ी लोकविधाओं की मनोहारी झलक से रूबरू कराया। नदी मंच पर राजिम के पुरुषोत्तम मिश्रा ने भजन संध्या में एक नाम एक भरोसा की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया।

रायपुर के गोपी किशन देवांगन ने जसगीत चैत के महीना आबे दाई के माध्यम से दर्शकों को आगामी चैत्र नवरात्रि की स्मृतियों से जोड़ दिया। ईश्वर लाल साहू (राजिम) ने रामायण के सीता विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे श्रोताओं ने बड़े प्रेम से सुना। भाटापारा-बलौदाबाजार के पुहुप राम यादव ने मोर गांव के देवी शीतला जसगीत से खूब तालियां बटोरीं।

इसी तरह नवीन मेला स्थल पर राजनांदगांव की हिमानी वासनिक ने राजा भरथरी की गाथा प्रस्तुत की। कुम्ही (राजिम) की उमा साहू ने देवी गीतों व हर-हर भोला से वातावरण भक्तिमय बना दिया। परसदा के जे.आर. खूंटे ने गुरु घासीदास बाबा को स्मरण कर पंथी नृत्य से समा बांधा। सुमीत यादव (अभनपुर) के लोकनृत्य, अमित कुमार साहू (राजिम) के योग प्रदर्शन, कमला बाई (पोखरा) के पंथी नृत्य तथा तौरेंगा के दौलतराम यादव के नाचा-गम्मत ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नवागांव के महेश साहू लोककला मंच ने सुवा, राउत नाचा और कर्मा नृत्य से छत्तीसगढ़ी संस्कृति की शानदार प्रस्तुति दी। बेमेतरा की ममता वर्मा ने सुवा नृत्य में नारी शक्ति का प्रदर्शन किया। अंत में नागाबुड़ा के गंगा नायक ने जगराता की प्रस्तुति देकर दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम का संचालन निरंजन साहू, मनोज सेन, महेंद्र पंत एवं दिनेश्वर साहू ने किया।

राजिम कुंभ में 13 फरवरी को सजेगा लोक संस्कृति का रंग, पूनम विराट के 'रंग छत्तीसा' से बिखरेगी छटा

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम कुंभ कल्प के मुख्य मंच पर 13 फरवरी शुक्रवार को लोक और भक्ति संगीत का भव्य संगम देखने को मिलेगा। राजनांदगांव की सुप्रसिद्ध लोक गायिका पूनम विराट 'रंग छत्तीसा' छत्तीसगढ़ी संस्कृति की सुगंध बिखेरेंगी। अन्य कार्यक्रमों में रायपुर के मनोज सेन लोक अंचल और मनेन्द्रगढ़ की जसमीत कौर जगराता प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर करेंगी।

मुख्य मंच के अलावा स्थानीय मंच पर भी विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक श्रृंखला रहेगी। बागबाहरा के विजय नायक भजन संध्या प्रस्तुत करेंगे, वहीं मांढर रायपुर की रेखा जलक्षत्री भरथरी गायन से समां बांधेंगी। सुरसाबांधा के धर्मेंद्र साहू जगराता, डूमरपाली के खेलावन पटेल रामधुनी तथा दुर्ग के दिलीप सिन्हा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। दुलना के श्रवण कुमार सार्वा जस झांकी, रायपुर के यशवंत धीवर सुगम गायन और जी जामगांव के सोमेश साहू लोक कला मंच की प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। बागबाहरा की आरती शेट्ठी सुगम भजन और

परसट्टी महासमुंद के चुम्मन साहू जगराता से भक्ति की धारा प्रवाहित होगी।

इसी प्रकार पूर्व महोत्सव स्थल नदी मंच पर छुईया के मनेश्वर ध्रुव मानस गायन, धमनी के गोविंद साहू रामायण, नायकबांधा की गीता राम ओगरे मंगल भजन तथा पोखरा के मोहित गंधर्व जसगीत के साथ किशोरा खुमेश्वर सेवा मंडली की प्रस्तुति होगी।

राजिम कुंभ कल्पः आस्था, संस्कृति और स्वच्छता की भव्य झलक

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के मुख्य मंच को इस बार अन्य वर्षों की तुलना में अधिक आकर्षक रूप दिया गया है। लगभग 60 फीट चौड़े और 80 फीट लंबा यह भव्य मंच और बैकग्राउंड में पंचकोशी धाम के मंदिरों की झलक लोगों को आकर्षित कर रही है। भगवान श्री राजीवलोचन एवं कुलेश्वरनाथ महादेव के साथ पटेश्वरनाथ (पटेवा), चम्पकेश्वरनाथ (चम्पारण), ब्रम्हकेश्वरनाथ (ब्रम्हनी), फणीकेश्वरनाथ (फिंगेश्वर) और कोपेश्वरनाथ (कोपरा) के मंदिरों की प्रतिकृतियां बांस और कपड़े से निर्मित की गई हैं। एलईडी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। राज्यस्तरीय मंच की भव्यता देखते ही बनती है।

राजिम कुंभ मेले में स्वच्छता बनाए रखने पूरे मेला क्षेत्र में जगह-जगह डस्टबीन की व्यवस्था की गई है, जिससे कागज के टुकड़े, रैपर, पॉलीथीन और पानी की बोतलें इधर-उधर न फैलें। कचरा पेटियां भरने से पहले ही कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से साफ कर दी जाती हैं, जिससे मेला परिसर स्वच्छ और सुव्यवस्थित नजर आ रहा है। 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' की परिकल्पना का प्रभाव यहां स्पष्ट दिखाई देता है। धार्मिक नगरी राजिम में बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालु भी स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग कर रहे हैं।

घाटों पर हाईमास्ट लाइट से जगमगाहट

क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू के प्रयासों से नवीन मेला मैदान चौबेबांधा में नदी किनारे घाट का निर्माण कार्य जारी है। वहीं मेला प्रारंभ होने से पूर्व ऊंचे खंभों पर हाईमास्ट लाइट लगाई गई हैं, जिनकी रोशनी से रात में भी दिन जैसा दृश्य दिखाई देता है। मेला देखने पहुंचे श्रद्धालुओं ने इस व्यवस्था की सराहना की। मेला घुमने पहुंचे विराट, सुकचंद, गिरधारी, बिहारीलाल ने बताया कि अभी इतना सुदर लग रहा हैं जब नदी के किनारे फोर लाइन सड़क निर्माण होगा, तो दृष्य और भी विहंगम लगेगा।

मंच पर कलाकारों का हो रहा सम्मान

कुंभ कल्प में प्रतिदिन सैकड़ों कलाकार मुख्य मंच, स्थानीय मंच और नदी मंच पर अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं। राष्ट्रीय से लेकर स्थानीय कलाकारों की झमाझम प्रस्तुतियों के बाद उन्हें प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जा रहा है। शिक्षा विभाग ने सांस्कृतिक रुचि रखने वाले शिक्षकों को भी मंच संचालन और अन्य जिम्मेदारियों से जोड़कर आयोजन में सहभागिता दी है।

संत समागम से देशभर के संतों को सहज दर्शन

राजिम कुंभ के संत समागम परिसर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं। विभिन्न अखाड़ों के संत, महामंडलेश्वर और आचार्य यहां यज्ञ, प्रवचन और धार्मिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शन दे रहे हैं। संतों के सानिध्य में राजिम कुंभ की पवित्रता और भी निखर उठी है।

राजिम कुंभ में प्रस्तुति देने पहुंचे बहेड़ाबुडा के नाचा कलाकारों से बातचीत, कहा-

दर्शकों की ताली ही हमारे लिए सबसे बड़ा सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। कुंभ कल्प मेला में प्रतिदिन सैकड़ो कलाकार प्रस्तुति दे रहे हैं। एक तरह से यह मंच उनके लिए वरदान बन गया है। कार्यक्रम देने के बाद उनके चेहरे में जो चमक दिखाई दे रही है वह उल्लास और राजिम कुंभ के प्रति आस्था को दर्शाती है। गरियाबंद जिला के सुदूर अंचल में रहने वाले जय बहेड़ाबुड़ा नाचा पार्टी मोंगरा के फूल के 15 कलाकारों ने स्थानीय मंच में जोरदार प्रस्तुति दी। दर्शक उन्हे ताली बजाकर प्रोत्साहित करते रहे। मीडिया सेंटर पहुंचे तीनों कलाकार जिसमें बड़े जोक्कर बुधारू राम यादव अपने उम्र के 60 वर्ष पूर्ण कर चुके हैं। वह बताते हैं कि संगीत की धुन बजने के बाद उनका पांव रुकता नहीं है बल्कि वह नाचना शुरू कर देते हैं चेहरे पर मृदाल शंख, माथे पर लंबा टीका, नीचे पजामा तथा ऊपर चमकीला कुर्ता पहनें इनके बात करने का ढंग काफी प्रभावित कर रहा था। चर्चा करते हुए इन्होंने

बताया कि 10 वर्ष की उम्र से नाचा पार्टी में जा रहा हूं पहले तो नचकारीन, उसके बाद छोटे जोक्कर और अब बड़े जोक्कर की भूमिका निभाता हूं। शुरुआत में तो 3 साल तक लगातार रिहर्सल ही करता रहा, उसके बाद 13 साल की उम्र से साइकिल चलाकर कलाकारी करने के लिए नाचा में जाता रहा हूं। सौ, दो सौ किलोमीटर साइकिल में ही जाया करते थे। रात भर नाचा गम्मत करते और सुबह चाय पीने के बाद फिर साइकिल चलाते। साइकिल चलाते-चलाते नींद आ जाती थी तब गिर भी जाते थे, गिरकर संभालना और फिर अगले प्रोग्राम के लिए अपने आप को तैयार करना बहुत कठिन काम था। अस्सी नब्बे के दशक में खूब साइकिल चलाया हूं। शुरुआत में मुझे 3 रु मेहनताना मिलता था। बाद में 5 रु हुआ फिर 7 रु देने लगे। उस 7 रु को पाकर मुझे बहुत खुशी होती थी। फिर दो कोरी (40 रु) मिला और अब तो 2000 तक मिल जाते हैं। नजरिया नाचा विधा की जान होती है जैसे ही दो जोक्कर आते हैं फिर नजरिया को बुलाया जाता है इन्हें देखने के लिए पूरा दर्शक काफी समय से इंतजार करते रहते हैं और जब जनाना आती है तो लोग साइलेंट हो जाते हैं और आवाज सिर्फ दर्शकों के बीच से उन्हीं की आती है।

कविता वासनिक की सुरमयी प्रस्तुति, छत्तीसगढ़ी लोकधुनों पर झूम उठा राजिम कुंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के 11वें दिन लोककला मंच पर रिंकू एवं आस्था भट्ट की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। कार्यक्रम की शुरुआत भक्तिमय गीत शिवनाथ तेरी महिमा जब तीन लोक गाए से हुई। इसके बाद छत्तीसगढ़ी गीत मै होगेंव दिवानी रे, तैं का मोहनी खवाय रे, बही बना दिए रे बुंदेला पगली बना दिए ना, देख के संगी मोला का हो जाथे रे जैसे गीतों से मनोरंजन का तड़का लगाया।

1965 की पहली छत्तीसगढ़ी फिल्म कहीं देबे संदेश के अमर गीत सुन-सुन मोर मया पीरा के संगवारी रे की प्रस्तुति ने पुरानी यादें ताजा कर दीं। दर्शकों को ऐसा आभास हुआ मानो आकाशवाणी रायपुर से यह गीत प्रसारित हो रहा हो। वहीं मोर मृगनयनी और जसगीत ऐ चंडी दाई वो बिरकोनी वाली ने वातावरण को भक्तिरस में सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के अगले चरण में किशोर साहू और अनुप श्रीवास्तव के लाफ्टर शो ने समां बांध दिया। दोनों कलाकारों ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल समेत कई राजनेताओं, विभिन्न जीव-जंतुओं और प्रसिद्ध हस्तियों की आवाजों की सटीक नकल कर दर्शकों को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। कुछ क्षणों तक दर्शक भ्रमित हो उठे कि मानो वास्तविक हस्तियां मंच पर उपस्थित हों। मंच पर अंतिम प्रस्तुति के रूप में छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध रेडियो एवं छत्तीसगढ़ी गायिका कविता वासनिक ने अपनी सुरमयी आवाज से ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल देर रात तक तालियों से गूंजता रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने देवी गीत नवदुर्गा ते कहाय वो से की। गीत की प्रस्तुति देख दर्शक उत्साह से भर उठे। कविता वासनिक ने गीतों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की प्राचीन 'नाचा' विधा का भी सजीव परिचय कराया।

इससे युवा पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं की गहराई और गौरव का एहसास हुआ। इसके बाद अनुराग धारा के कलाकारों ने मोला दिखाय दे न भोला गीत की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं। ददरिया बिन पानी के मछरी ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं मनभावन हरेली तिहार आ गे गीत के माध्यम से फुगड़ी, खो-खो और कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों की झलक दिखाकर दर्शकों को बचपन की यादों में लौटा दिया।

लक्ष्मण मस्तुरिया की अमर रचना बखरी के तुमा नार बरोबर मन झूमे गूंजते ही पुरानी यादें ताजा हो उठीं। आदिवासी गीत महुआ झरे रे पर मंच के बाहर भी लोग थिरकते नजर आए। चौरा म गोंदा और पता ले जा रे गाड़ी वाला जैसे गीतों ने माहौल को चरम पर पहुंचा दिया। कार्यक्रम के अंत में कलाकारों का सम्मान एसडीएम, तहसीलदार व जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। मंच संचालन निरंजन साहू, मनोज सेन, दुर्गेश तिवारी एवं किशोर निर्मलकर ने किया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में शादी से वंचित प्रेमी जोड़े ने की खुदकुशी

एक ने घर पर तो दूसरे ने पेड़ पर लगाई फांसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ के जीपीएम जिले में प्रेमी युगल की आत्महत्या का सनसनी खेज मामला सामने आया है। 10 फरवरी को प्रदेशभर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत हो रहे सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शादी नहीं होने से आहत प्रेमी-प्रेमिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने गांव में सनसनी फैला दी है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

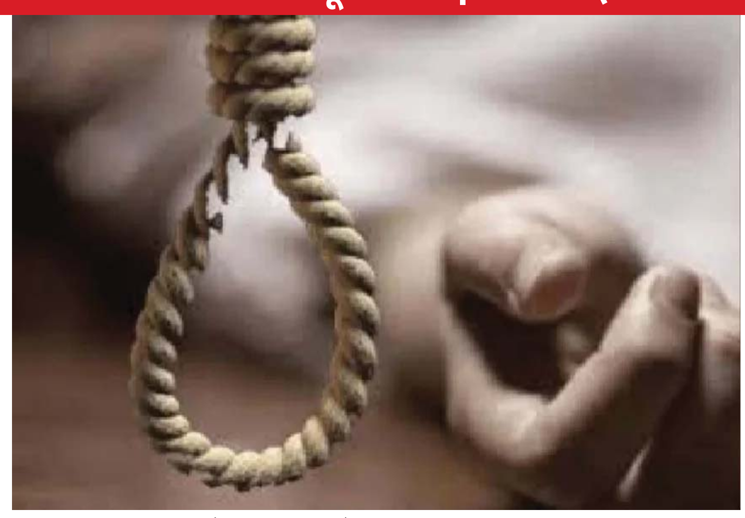

शुरुआती जांच में जो बातें सामने आई उसके अनुसार प्रेमी युगल मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत हो रहे सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शादी नहीं होने से आहत था। जिले के कोटा थाना क्षेत्र की रहने वाली अनिता भैना (19) और पनकोटा गांव का रहने वाला कृष्णकुमार भैना (18) एक दूसरे शादी करना चाह रहे थे। घरवालों की स्वीकृति नहीं होने से दोनों 10 फरवरी को जिले में हो रहे सरकारी सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शादी करना चाह रहे थे।

बताया जा रहा है कि दोनों ने शादी की पूरी तैयारी कर ली और पंजीयन भी कराया। लड़के की उम्र 18 वर्ष होने के कारण कार्यक्रम में शादी की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद से दोनों आहत थे। बताया जा रहा है कि बुधवार की रात युवक-युवती के बीच इस बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद युवती ने घर पर ही कमरे में फांसी लगा ली। युवक ने जब देखा उसकी प्रेमिका ने फांसी लगा ली है तो उसने उसे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

इसके बाद वह भी घर से निकला और पास के जंगल पेड़ पर फांसी लगाकर जान दे दी। गुरुवार की सुबह कृष्णकुमार का शव पेड़ पर फांसी के फंदे से झूलता मिला। सूचना मिलने के बाद पेंड्रा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बीएसपी कर्मी के घर में घुसकर हमला नाबालिग ने रॉड से किया वार, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर थाना क्षेत्र में बीएसपी (भिलाई स्टील प्लांट) कर्मी के घर में घुसकर हमला करने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। एक नाबालिग युवक ने पड़ोस में रहने वाले खेड़ूराम देवांगन और उनकी दो बेटियों पर रॉड से ताबड़तोड़ हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने आरोपी नाबालिग युवक को भी गिरफ्तार कर लिया है।

घटना भिलाई नगर थाना क्षेत्र के टाउनशिप सेक्टर 8 में हुई। बताया जा रहा है कि एक नाबालिग युवक ने अपने पड़ोस में रहने वाले बीएसपी कर्मी खेड़ूराम देवांगन के घर में जबरन घुस गया। इसके बाद उसने खेड़ूराम और उनकी दो बेटियों, गरिमा और लिपिका, पर रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हमलावर युवक तीनों को गंभीर अवस्था में छोड़कर मौके से फरार हो गया।

हमले की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल हरकत में आई और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। बीएसपी कर्मी खेड़ूराम देवांगन के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसके चलते उनके सिर पर 16 टांके लगे हैं। उनकी दोनों बेटियों, गरिमा और लिपिका, को भी सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हमला करने वाले सनकी नाबालिग युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से विवेचना कर रही है और आरोपी युवक द्वारा इस तरह के हिंसक कृत्य को अंजाम देने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।

खास खबर

ट्रैफिक के हाइवे पेट्रोलिंग गाड़ी को ट्रेलर ने मारी टक्कर, आरक्षक घायल

बिलासपुर। बिलासपुर सड़कों पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटे हाइवे पेट्रोलिंग की गाड़ी को ट्रेलर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसा बुधवार रात सकरी-सेंदरी मार्ग पर काके ढाबा के पास हुआ। घटना में पेट्रोलिंग वाहन चला रहे आरक्षक रघुराज को गंभीर चोट आई। इलाज के बाद आरक्षक की शिकायत पर पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ के जुर्म दर्ज किया है। बुधवार रात आरक्षक रघुराज शासकीय वाहन सीजी 03 9578 में हाईवे पेट्रोलिंग की ड्यूटी पर तैनात थे। करीब 9 बजे वह काके ढाबा के पास सड़क के बीच वाहन खड़ी थी, जिससे जाम की स्थिति बन रही थी। आरक्षक ने ट्रैफिक क्लियर कराने के लिए अपनी गाड़ी आगे बढ़ाई, तभी सकरी की ओर से आ रहे एक अज्ञात ट्रेलर के चालक ने तेज और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए पेट्रोलिंग गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में आरक्षक रघुराज के दाहिने हाथ की कलाई और कंधे में गंभीर चोटें आई हैं। आरोपी भाग गया।

शराब के अवैध बिक्री मामले में युवक की गिरफ्तारी, सदमे में मां की मौत

कोरबा। मानिकपुर चैकी क्षेत्र में मंगलवार को हुई पुलिस कार्रवाई के बाद एक परिवार पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा। शराब बेचने के आरोप में पुलिस द्वारा एक युवक को गिरफ्तार किए जाने के बाद उसकी मां की कथित तौर पर सदमे में मौत हो गई। घटना से पूरे मोहल्ले में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एसपी कार्यालय पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। मानिकपुर चैकी पुलिस ने अवैध शराब बिक्री की शिकायत मिलने पर एक युवक को हिरासत में लिया था। परिजनों का कहना है कि बेटे की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही उसकी मां की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बेटे की गिरफ्तारी का सदमा वह सहन नहीं कर सकीं और उनकी मौत हो गई। हालांकि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

जांजगीर चांपा में दो बाइक की टक्कर से एक की मौत तीन घायल

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। यह घटना ग्राम भटली के पास हसदेव नदी पर बने मिनी डेम के ऊपर दो बाइकों की टक्कर के कारण हुई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम भटली से होकर गुजरने वाली हसदेव नदी पर दोनों छोरों को जोड़ने के लिए एक मिनी डेम का निर्माण किया गया है। इसी डेम के ऊपर दो तेज रफ्तार बाइकें आपस में टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बाइक सवार युवक सुमित दास (22) निवासी चांपा अपनी बाइक सहित अनियंत्रित होकर हसदेव नदी में जा गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

डामर के नाम पर लैंडमार्क के मालिक से ढाई लाख की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर शांतिनगर स्थित लैंडमार्क इंजीनियर कंपनी के संचालक से ट्रांसपोर्टिंग के नाम पर 2.50 लाख रुपए ठग लिए गए। रुपए वापस मांगने पर आरोपी ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी देना शुरू कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जालसाजी और धमकी देने का मामला दर्ज किया है।

कंपनी के मैनेजर प्रदीप डाबरा ने बताया कि जुलाई 2022 में आरोपी रामसेवक ने विशाखापट्टनम से तखतपुर डामर लाने का सौदा किया और ढाई लाख रुपए एडवांस लिए। पैसे लेने के बाद आरोपी बहाने बनाने लगा। दबाव बनाने पर उसने ढाई लाख का चेक दिया, जो बैंक में बाउंस हो गया। जब चेक बाउंस होने की शिकायत आरोपी से की गई, तो उसने असली रूप दिखाया। पैसे लौटाने की बजाय आरोपी ने संचालक निशांत जैन से गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले में पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

दंबगई दिखाने पिस्टल से फायरिंग कर बनाए रील, तीन को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में इन दिनों पिस्टल, गन लेकर रील बनाने का ट्रेंड चल रहा है। रील के वायरल होते ही पुलिस ऐसे युवकों को पकड़कर उनके खिलाफ लगातार कार्रवाई भी कर रही है। रायगढ़ में गन लेकर रील बनाने वाले युवक के बाद अब दुर्ग से भी युवकों का फायरिंग करते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में तीन युवकों ने कार से उतरकर बीच रोड पर खड़े होकर पिस्टल से फायरिंग की। रील के वायरल होते ही दुर्ग पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया और तीनों को पकड़कर थाने लाया गया। तीनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं तहत कार्रवाई भी की गई।

घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र की है। दुर्ग के तीन युवक कार में सवार होकर सुमित बाजार के पास स्टेशन रोड पहुंचे। इस दौरान तीनों कार से उतरे, इनमें से एक युवक ने अपने पास रखी पिस्टल निकाली और रोड के बीचोंबीच खड़े होकर फायरिंग की। वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो एसएसपी विजय अग्रवाल ने संज्ञान लिया और मोहन नगर थाना पुलिस को जांच कर आरोपियों को पकड़ने के निर्देश दिये। पुलिस ने वीडियो ओर इंस्टा आईडी के आधार पर तीनों की पहचान की और तीनों को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। तीनों ने थाने के अंदर अपनी गलती पर माफी मांगते हुये कान पकड़कर माफी मांगी। गिरफ्तार युवकों ने पूछताछ में पिस्टल के नकली होने की जानकारी पुलिस को दी है। आरोपियों के खिलाफ धारा 170, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपी

1. जयदीप कांडा, उम्र 36 वर्ष, निवासी संतरा बाड़ी, तरुण टॉकीज के पास, थाना मोहन नगर, दुर्ग
2. गगनप्रीत सिंह, उम्र 37 वर्ष, निवासी सुमित बाजार के बाजू वाली गली, पोलसाय पारा, थाना मोहन नगर, दुर्ग
3. पवनदीप सिंह, उम्र 32 वर्ष, निवासी गुरु नानक नगर, चीखली, दुर्ग।

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि सोशल मीडिया पर हथियार अथवा नकली हथियार का प्रदर्शन कर भय या दहशत का वातावरण निर्मित न करें। इस प्रकार के कृत्य कानूनन दंडनीय हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

ऑनलाइन सट्टा : बैटिंग साइट्स की आईडी बेच लेते थे कमीशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट व कबीर नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने तिरंगा चौक (फेस-02) के पास दबिश देकर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से 17 लाख रुपए नगद, 7 मोबाइल फोन, 4 बैंक पासबुक, 1 चेकबुक और 27 एटीएम-क्रेडिट-डेबिट कार्ड जब्त किए गए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 19.70 लाख रुपए बताई गई है। बुधवार शाम पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कबीर नगर के तिरंगा चौक फेस-2 के एक खंडहर में कुछ युवक ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना पर टीम ने घेराबंदी की। छापेमारी के दौरान आरोपी वहां से भागने लगे। टीम ने 3 आरोपी, दीपक सचदेवा, ऋषभ रंगलानी और गौरव सचदेवा को पकड़ा।

तलाशी के दौरान तीनों के पास से लाखों रुपए कैश, मोबाइल और बैंक दस्तावेज बरामद किए गए। अपने साथी ओम खेमानी का नाम बताया, जो इस नेटवर्क में शामिल था। पुलिस ने छठ तालाब हीरापुर इलाके से ओम खेमानी को भी गिरफ्तार किया। उसके पास से 3.11 लाख रुपए नगद, तीन मोबाइल और बड़ी संख्या में एटीएम-क्रेडिट कार्ड बरामद हुआ।

जांच में पता चला कि आरोपी ramco777.com, wood777.com और powerexch.com जैसी बैटिंग वेबसाइट्स के जरिए मास्टर आईडी बनाकर कमीशन पर आईडी बेचते थे। इसी तरह वे बड़ी संख्या में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित कर रहे थे।

इस साल 14 गिरफ्तार 1.92 करोड़ से ज्यादा की जब्ती

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने साल 2026 में अब तक ऑनलाइन सट्टे के 3 मामलों में 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन प्रकरणों में नगद 1 करोड़ 4 लाख 85 हजार रुपए, 2 लैपटॉप, 27 मोबाइल फोन, 4 चारपहिया वाहन सहित कुल लगभग 1 करोड़ 92 लाख 20 हजार रुपए का सामान जब्त किया है। अधिकारियों के मुताबिक बदलते अपराध के तौर-तरीकों को देखते हुए टीम आरोपियों की जीवनशैली और गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही थी, जिसका परिणाम यह कार्रवाई है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत : गोंडवाना एक्सप्रेस के सामने कूदा, बिलासपुर रेफर के दौरान तोड़ा दम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। सक्ती जिले में बुधवार शाम 28 वर्षीय युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। युवक ने रेलवे फाटक के पास अपनी बाइक खड़ी कर सामने से आ रही गोंडवाना एक्सप्रेस के सामने कथित तौर पर छलांग लगा दी। घटना सक्ती थाना क्षेत्र की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक उछलकर पटरी पर गिर पड़ा और ट्रेन उसके ऊपर से गुजर गई। घटना के तुरंत बाद लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को ट्रेन के नीचे से बाहर निकाला।

युवक को गंभीर हालत में तत्काल एक निजी एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत नाजुक बताते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया। हालांकि, बिलासपुर ले जाते समय रास्ते में ही युवक की मौत हो गई।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मृतक की पहचान ग्राम टेमर निवासी मुकेश पटेल (28) के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

आत्मघाती कदम के कारणों का नहीं हुआ खुलासा

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाने के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

500 के नकली नोट खप रहे :कलर प्रिंटर से बने सैंडविच नोट पकड़ना मुश्किल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा में 500 रुपए के नकली नोटों की आवाजाही ने व्यापारियों और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हाट-बाजारों से लेकर छोटी दुकानों तक ये नोट आसानी से चल रहे हैं और किसी को भनक तक नहीं लग रही।

असलियत का खुलासा तब हो रहा है, जब व्यापारी इन्हें बैंक में जमा करने पहुंच रहे हैं और काउंटिंग मशीन इन्हें रिजेक्ट कर दे रही है। व्यापारियों का कहना है कि नकली और असली नोट में फर्क समझ पाना बेहद मुश्किल हो गया है। पहली नजर में नोट बिल्कुल असली जैसे दिखते हैं।

कुछ लोगों का दावा है कि ये नोट कलर प्रिंटर से तैयार किए जा रहे हैं। इन्हें सैंडविच नोट कहा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक प्रिंटर से नोट की दो परतें निकालकर बीच में साधारण कागज रखकर दोनों हिस्सों को चिपका दिया जाता है। ऊपर से देखने और छूने में ये नोट सामान्य लगते हैं, जिससे दुकानदार धोखा खा जाते हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकले दो लोगों की सड़क हादसे में मौत, तेज रफ्तार पिकअप ने मारी टक्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर जिले के गम्हरिया गांव में बुधवार की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले दो लोगों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित पिकअप वाहन ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले में मर्ग इंटीमेशन दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव में यह घटना सुबह लगभग छह बजे हुई। गांव के निवासी हीरा राम (52 वर्ष) और अब्दोन लकड़ा (50 वर्ष) अपनी नियमित सैर पर निकले थे। लकड़ी डिपो तक जाकर चाय पीने के बाद वे NH-43 पर सड़क किनारे से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रांधी की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने अनियंत्रित होकर दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप वाहन लहराते हुए चल रहा था।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़े। गनीमत रही कि उनके साथ चल रहा एक अन्य व्यक्ति किसी तरह बच निकला। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत 108 एम्बुलेंस को बुलाया। दोनों घायलों को जिला अस्पताल जशपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हीरा राम को हाथ और बाईं पसली में गंभीर आंतरिक चोटें आई थीं, जबकि अब्दोन लकड़ा के सिर में गंभीर चोट लगी थी और अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था।

प्रशासनिक कार्रवाई और ग्रामीण मांग

दुर्घटना को अंजाम देने के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर कुनकुरी की ओर भाग गया। वाहन का नंबर अज्ञात होने के कारण पुलिस के लिए उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। पुलिस फिलहाल फरार चालक की तलाश में जुटी है और मामले की गहन जांच कर रही है। इस हृदय विदारक घटना से गम्हरिया गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से NH-43 पर तेज रफ्तार वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाएं रोकी जा सकें।

वार्षिकोत्सव में बच्चों को बेचे गए एक्सपायरी चिप्स और चॉकलेट, निजी स्कूल के डायरेक्टर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। उतई पुलिस ने ग्राम पउवारा स्थित रॉयल एकेडमी स्कूल के डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। डायरेक्टर पर आरोप है कि उनके गैर जिम्मेदाराना रवैय्ये के कारण स्कूल के स्टूडेंट्स पर बड़ा संकट आ सकता था। दरअसल हुआ यह कि स्कूल के वार्षिकोत्सव के दौरान स्कूल परिसर में एक स्टॉल लगाया गया जहां बच्चों को एक्सपायरी चिप्स व चॉकलेट रखे गए थे। परिजनों को जब यह पता चला तो हंगामा हुआ। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने स्कूल डायरेक्टर अकरम खान को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार पउवारा स्थित रॉयल एकेडमी स्कूल में 10 फरवरी को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। यहां स्कूल प्रबंधन की अनुमति से एक स्टॉल लगाया जहां चिप्स, चॉकलेट, कुरकुरे आदि सामान बेचा जा रहा था। बच्चों के लिए लगाए सामान की जांच की गई वे एक्सपायरी निकले। इनकी डेट 2025 में ही खत्म हो चुकी थी। ऐसा एक्सपायरी सामान बच्चों को दिए जाने का मामला तूल पकड़ा। यह बात जब पालकों को पता चली तो लोगों के साथ मिलकर इसका विरोश जताया। पालकों ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। हंगामा बढ़ा तो मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत किया। इसके बाद पालकों की शिकायत पर स्कूल के डायरेक्टर अकरम खान के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया।

बकरा लेने निकला युवक, खंभे से टकराने से मौत

रायगढ़। रायगढ़ छाल थाना क्षेत्र अंतर्गत बकरा खरीदने निकले युवक की तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बिजली खंभे से टकरा गई। इस घटना में युवक को गंभीर चोट आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इधर इस घटना की जानकारी परिजनों को दूसरे दिन सुबह मिली, फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम बोजिया निवासी 20 वर्षीय इमरोज खान दोपहर 3 बजे कुड़ेकेला बकरा खरीदने जाने के लिए अपनी बाइक से निकला था। युवक के रात भर घर वापस नहीं आने से चिंतित परिजनों ने ने उसकी खोजबीन शुरू की। इसी बीच परिचित साहिद खान ने उन्हें सूचना दी कि इमरोज का छाल मेन रोड में मोड़ पर एक्सीडेन्ट हो गया है।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

कल्याणकारी योजनाओं से

संवर रहा श्रमिकों का जीवन

विगत दो वर्षों में-

- **11.40 लाख** श्रमिकों का पंजीयन
- श्रमिकों के हित से जुड़े **17 नए** प्रशासनिक सुधार
- 29 पुराने श्रम कानून के स्थान पर **4 नई श्रम संहिताएं** लागू
- **71 श्रम** कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से 29 लाख 55 हजार से अधिक श्रमिकों को **₹804.77** की राशि का आबंटन

RO- 45320/6

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950